पटना ● मंगलवार, 16 जुलाई 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:185 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

परिवार नियोजन के बारे में लोगों ... 3 www. bordernewsmirror.com त्रिशा कृष्णन की... 8

नोएडा में बैंक का सर्वर हैक कर 16 करोड़ उड़ाए

5 दिन में 84 बार ट्रांजेक्शन किया; कर्मचारियों को भनक तक नहीं लगी

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा में नैनीताल बैंक का सर्वर हैक कर ठगों ने 16 करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर कर लिए। बैलेंस शीट का सही मिलान न होने पर बैंक कर्मचारियों के होश उड़ गए। आईटी मैनेजर ने साइबर क्राइम थाने में एफआईआर दर्ज कराई। जांच हुई तो सामने आया कि ठगों ने बैंक के रियल टाइम ग्रंस सेटलमेंट (आरटीजीएस) चैनल को ही हैक कर लिया था। बैंक से 5 दिनों में 1, 2 बार नहीं, बल्कि 84 बार ट्रांजेक्शन किया, लेकिन कर्मचारियों को भनक तक नहीं लगी। अब बैंक फ्रॉड खातों को सीज करने की तैयारी में है।

17 जून को पहली बार 3.60 करोड़ का लेनदेन पकड़ा- सुमित कुमार श्रीवास्तव ने बताया- मैं सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक में आईटी मैनेजर हूं। 17 जून को आरटीजीएस खाते के बैलेंस सीट में 3 करोड़, 60 लाख, 94 हजार 20 रुपए का डिफरेंस मिला। इसके बाद आरटीजीएस टीम ने (स्ट्रक्चर्ड फाइनेंशियल मैसेजिंग सिस्टम) सर्वर के साथ कोर बैंकिंग सिस्टम में लेन-देन की जांच की। सामने आया कि कोर बैंकिंग सिस्टम और एसएफएमएस में काफी खामियां हैं।

84 बार में 16.01 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए- मैनेजर ने बताया- 18 जून को आरबीआई बैलेंस सीट मेल नहीं खा रहा थी। शुरुआत में आरटीजीएस टीम को लगा कि सिस्टम लाइन में कुछ समस्या होगी। इस वजह से ठीक से मिलान नहीं हो पा रहा। 20 जून को आरबीआई सिस्टम की समीक्षा की गई।

इसमें पता चला कि बैंक से 84 बार लेन-देन में धोखाधड़ी हुई है। आरटीजीएस सिस्टम हैक कर 16 करोड़ 1 लाख 83 हजार 261 रुपए ट्रांसफर किए गए। सभी ट्रांसफर 16 से 20 जून के बीच किए गए। यह भी सामने आया है कि आरटीजीएस सेटलमेंट से पैसे निकालकर कई खातों में भी जमा किए गए।

जिन खातों में रुपए ट्रांसफर हुए, उन बैंकों को ई-मेल भेजा

आईटी मैनेजर ने बताया- जिन बैंकों में धोखाधड़ी कर रुपए ट्रांसफर किए गए, उन बैंकों को ई-मेल भेजा गया है। खातों को फीज करने के लिए कहा गया है, ताकि ट्रांसफर रुपए वापस आ सकें। साइबर क्राइम थाने के साथ ही आरबीआई एसएसएम टीम, आरबीआई सीएसआईटीई टीम, सर्ट-इन को शिकायत की गई। सभी एजेंसियां जांच में जुटी हैं। एसीपी साइबर विवेक रंजन राय ने कहा- नोएडा सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक के आईटी मैनेजर द्वारा थाने में एक शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत में 16-20 जून के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा इनके सर्वर को हैक कर करीब 16 करोड़ रुपए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किए गए।

महाराष्ट्र, बिहार, यूपी में बारिश से हाहाकार

● मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भरा ऐसा पानी कि तैरे वाहन, भिवंडी में घुटनों तक पानी ● नासिक में फोर्ट पर फंसे पर्यटकों का रेस्क्यू

उ.प्र.-बिहार में गंगा खतरे के निशान के करीब, मुंबई में गाड़ियां बहीं, 20 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मुंबई/पटना/लखनऊ/नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में तेज बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। नासिक के अंजनेरी फोर्ट में 10 से ज्यादा पर्यटक सीढ़ियों पर पानी के तेज बहाव में फंस गए। हालांकि, कुछ घंटों के बाद उन्हें वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया। वहीं मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर भरा ऐसा पानी कि तैरे वाहन, भिवंडी में घुटनों तक पानी ही पानी था।

इसके अलावा रत्नागिरी और चंद्रपुर में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। इससे इन जिलों में सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर गया। खेड में दीवानखावटी स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर मलबे के कारण रेल सेवा बाधित हुई है। कई ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों पर चार से पांच घंटे लेट हैं।

उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ के हालात – उधर, नेपाल से सटे इलाकों में तेज

बारिश के कारण गंगा नदी उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ जिलों में खतरे के निशान के करीब बह रही है। उत्तर प्रदेश के 17 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। इसकी चपेट में 97 गांव हैं। वहीं बिहार के मुजफ्फरपुर में बाढ़ से 50 हजार की आबादी पानी में घिरी है। बिहार में गंगा के अलावा घाघरा, गंडक, बागमती, कमला बलान, कोसी, महानंदा और परमान नदी भी खतरे के निशान के करीब हैं।

भोजशाला की 2000 पन्नों की रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट में पेश

● हिंदू पक्ष का दावा- इमारत परमारकालीन; मुस्लिम पक्ष बोला- फैसला सुप्रीम कोर्ट से ही होगा

भोपाल/इंदौर (एजेंसी)। धार की भोजशाला मंदिर है या मस्जिद? इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए 98 दिन वैज्ञानिक सर्वे किया गया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के वकील हिमांशु जोशी ने सोमवार को रिपोर्ट इंदौर हाईकोर्ट में पेश कर दी। ये रिपोर्ट मीडिया से शेयर नहीं करने के निर्देश सभी पक्षों को दिए गए हैं। वकील हिमांशु जोशी का कहना है कि रिपोर्ट 2 हजार पेज की है। इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकते।

पता चला है कि यह रिपोर्ट 2000 से ज्यादा पन्नों में है। सर्वे और खुदाई के दौरान मिले 1700 से ज्यादा प्रमाण/अवशेष इस रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं। इस पर 22 जुलाई को सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता के वकील हरिशंकर जैन ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि भोजशाला को लेकर तैयार रिपोर्ट से 100त्न हिंदू पक्ष का दावा साबित हो रहा है। यहां 94 आर्टिकल्स मिले, इनमें टूटी मूर्तियां, शिलालेख और संस्कृत के श्लोक हैं। इससे प्रतीत होता है कि मां वाग्देवी मंदिर ही था और धार्मिक शिक्षा दी जाती थी। अलग-अलग कालखंड के करीब 30 सिक्के भी इनमें शामिल हैं।

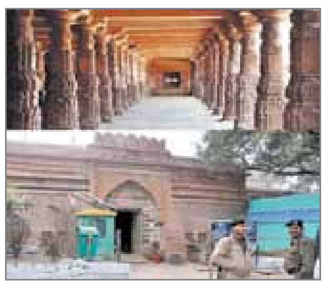

याचिकाकर्ता ने कहा-

परमारकालीन मूर्तियां भी मिलीं- हिंदू पक्ष के याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने दावा किया कि जो सर्वे हमारे सामने हुआ था, उस आधार पर हम कह रहे हैं कि यह इमारत राजा भोज के काल की ही साबित होगी, जिसे वर्ष 1034 में बनाया गया था। एएसआई को इस सर्वे में कई प्राचीन मूर्तियां मिली हैं, जो परमारकालीन हो सकती हैं। इस तरह ये परमारकालीन इमारत है।

ट्रक और बस के बीच भयानक टक्कर, 6 लोगों की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर ट्रक और बस के बीच भयानक टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, यह लग्जरी बस महाराष्ट्र से राजस्थान जा रही थी और सुबह करीब साढ़े चार बजे आणंद के पास एक्सप्रेस हाईवे पर ट्रक के साथ भीषण टक्कर हो गई और तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोगों की अस्पताल में इलाज के दौरान जान चली गई।

पूजा खेडकर का खुला एक और राज

पुणे (एजेंसी)। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर मामले में नई जानकारी सामने आई है। पूजा ने 2007 में एमबीबीएस में दाखिले के लिए गैर-क्रीमी लेयर ओबीसी प्रमाण पत्र जमा किया था। यह जानकारी काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज के निदेशक ने दी है। बता दें कि पूजा खेडकर पर अपने पद का दुरुपयोग करने और सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए फर्जी विकलांगता और जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप हैं।

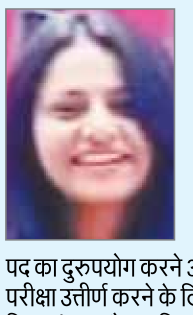

नीट: सभी याचिकाएं हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर होंगी

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में नीट मामले पर आज सुनवाई हुई। सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने देश के सभी हाईकोर्ट में एनटीए के खिलाफ दायर हुई याचिकाओं को ट्रांसफर करने के लिए नोटिस जारी कर दिया है। दरअसल, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दायर की थीं। इनमें एजेंसी ने देश के सभी हाईकोर्ट में लगी याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ट्रांसफर किए जाने की मांग की थी। इस मामले की सुनवाई की सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की डिवीजन बेंच ने की।

भजनलाल सरकार जमीन के बदले ज्यादा मुआवजा देगी

● 15 की जगह 25 फीसदी जमीन दी जाएगी; कॉमर्शियल जमीन की जगह आवासीय का विकल्प मिलेगा

जयपुर (एजेंसी)। भजनलाल सरकार ने सड़क, बाइपास और मास्टर प्लान के लिए अधिग्रहित की गई जमीन पर अब ज्यादा मुआवजा देने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है कि 2005 से पहले के जिन केस में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी हो गई है या जमीन अधिग्रहण के बदले में मुआवजा देने का ऑर्डर जारी हो चुका है, उनमें 10 फीसदी ज्यादा मुआवजा दिया जाएगा।

राज्य सरकार के आदेश के तहत अब ऐसे केस में अधिग्रहित की गई कुल जमीन का 15 फीसदी (विकसित भूमि) की जगह 25 फीसदी मुआवजा दिया जाएगा। वहीं, 2005 से पहले और इसके बाद के मामलों में भी मुआवजे में बदलाव किया गया है। मुआवजे के रूप में अब तक 25 फीसदी जमीन का प्रावधान है, इसमें 5 फीसदी जमीन कॉमर्शियल होती है।

महिला ने मंगाए थे 133 रुपये के मोमोज

डिलीवरी नहीं मिलने पर कोर्ट ने सुनाया फैसला- अब पूरी उम्र फ्री में खाएगी

बेंगलुरू (एजेंसी)। फूड डिलीवरी एप्स को लेकर आए दिन दिलचस्प खबरें आती रहती हैं। इस बीच कर्नाटक के बेंगलुरू से जोमैटो एप से मोमोज ऑर्डर करने का मजेदार मामला सामने आया है। दरअसल बेंगलुरू में एक महिला ने जोमैटो से मोमोज ऑर्डर किए थे, लेकिन ये ऑर्डर डिलीवर नहीं हो पाया। जिसके बाद महिला ने कोर्ट में केस दर्ज कर दिया, अब कोर्ट ने महिला के समर्थन में फैसला सुनाया है और जौमैटो पर हजारों का जुर्माना लगाया है।

दरअसल ये मामला पिछले साल का है, शीतल नाम की महिला ने 31 अगस्त 2023 को जोमैटो से मोमोज का ऑर्डर दिया था। गूगल पे के जरिए 133.25 रुपए का भुगतान भी किया। ऑर्डर करने के 15 मिनट बाद महिला के पास मैसेज आया कि उसका ऑर्डर डिलीवर हो गया है, लेकिन न ही उसका ऑर्डर डिलीवर हुआ और न डिलीवरी एजेंट उसके पास आया।

72 घंटे तक नहीं आया जवाब, तब महिला ने.... इसके बाद महिला ने ईमेल के जरिए जोमैटो से शिकायत की और जवाब आया उन्हें 72 घंटे तक इंतजार करना पड़ेगा, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। तब महिला ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म को एक कानूनी नोटिस भेज दिया। कोर्ट में पहले वकील ने महिला को ही झूठा बना दिया था, लेकिन जब महिला ने कोर्ट में शिकायत करने वाला सबूत पेश किए तो ये साबित हो गया कि महिला सच बोल रही है।

श्रीनगर के मुहर्रम जुलूस में लहराया फिलिस्तीन का झंडा

गाजा के समर्थन में लगाए नारे; भारी संख्या में जुटी भीड़

श्रीनगर (एजेंसी)। कश्मीर के शिया समुदाय ने सोमवार को पारंपरिक गुरु बाजार-डलगेट मार्ग पर शोक के आठवें मुहर्रम का जुलूस निकाला। अधिकारियों ने बताया कि जुलूस शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, क्योंकि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया गया था। जुलूस सोमवार तड़के शहर के गुरु बाजार इलाके से शुरू हुआ और जहांगीर चौक और मौलाना आजाद रोड से होते हुए निर्धारित मार्ग से गुजरा और फिर डलगेट पर समाप्त हुआ।

दो जगहों पर लहराया गया फिलिस्तीन का झंडा- इस जुलूस के दौरान एक दो अन्य स्थानों पर फिलिस्तीन झंडा लहराने और नारों की खबरें इंटरनेट मीडिया पर दिख रहीं। यह लगातार दूसरा साल है, जब अधिकारियों ने मुहर्रम जुलूस को पारंपरिक मार्ग से निकालने की अनुमति दी है।

कश्मीर में आतंकवाद के पनपने के बाद जुलूस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, क्योंकि आशंका थी कि अलगाववादी भीड़ का गलत मकसद से दुरुपयोग कर सकते हैं।

जुलूस के लिए दिया गया था सीमित समय- यह जुलूस कर्बला में शहीद हुए पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन की याद में मनाया जाता है। अधिकारियों ने जुलूस के लिए सीमित समय दिया था, इसलिए सुबह 5.30 बजे हजारों लोग गुरु बाजार में एकत्र हुए, ताकि सामान्य जीवन प्रभावित न हो।

राम को नेपाली बताने वाले ओली बने प्रधानमंत्री

काठमांडू (एजेंसी)। भगवान राम को नेपाली बताने वाले केपी ओली आज नेपाल नए प्रधानमंत्री बन गए है। उन्हें आज राष्ट्रपति नेपाल के रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय में प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई। ओली ने भारत समर्थक माने जाने वाले शेर बहादुर देउबा के साथ मिलकर गठबंधन की सरकार बनाई है।

मुस्लिम लॉ बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया

● तलाकशुदा महिलाओं को गुजारा भत्ता देना इस्लामी कानून के खिलाफ

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजाराभत्ता देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत ठहराया है। एआईएमपीएलबी की वर्किंग कमेटी ने एक बैठक कर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर चर्चा की। इस बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें कहा गया कि यह फैसला 'शरिया' (इस्लामी कानून) के खिलाफ है। लिहाजा एआईएमपीएलबी सभी संभावित उपायों का पता लगाएगा जिससे सुप्रीम कोर्ट से इस फैसले को पलटने को कह सके। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को कहा कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला अपराध प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144) के तहत अपने पति से भरण-पोषण की हकदार है। इसके लिए वह याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने एक मुस्लिम युवक मोहम्मद अब्दुल समद की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

इमामगंज से चार और कोठी से दो फरार वारंटी गिरफ्तार, जेल

भागलपुर, एजेंसी। इमामगंज व कोठी थाने की पुलिस ने रविवार को अलग -अलग गांव से छह लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में इमामगंज थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पुराने मामले में फरार वारंटी विश्रामपुर गांव के अंबुज सिंह, रामसुंदर सिंह, लोकनाचक गांव से अरुण भुइयां और डायन ओझा के मामले में फरार छोटका करासन गांव के वारंटी धनजय यादव को गिरफ्तार जेल भेज दिया गया। वहीं कोठी थानाध्यक्ष संजीत कुमार ने बताया कि मांझियांमा गांव के पुराने मामले में पहरा चल रहे रामजी यादव और सोहन यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

समाज को समृद्धि व प्रगति की ओर ले जाती है शिक्षा : पटेल

भागलपुर, एजेंसी। शिक्षा से सामाजिकता का बौद्धिक विकास होता है। साथ ही शिक्षा समाज को समृद्धि व प्रगति की ओर ले जाती है। गया जिले में सरदार पटेल छात्रावास निर्माण सह शिक्षा संकल्प अभियान की शुरुआत करते हुए अमनौर के भाजपा विधायक मन्टू सिंह पटेल ने यह बातें कहीं। रविवार को गया किला मुख्यालय में सरदार पटेल छात्रावास निर्माण के लिए गांधी मंडप में अभियान समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल एक नारा ही नहीं है बल्कि यह एक समर्पण और प्रतिबद्धता है। शिक्षा के महत्व को हर संभव से प्रोत्साहित करना है। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा प्राप्त करने वाला हर मानव शिक्षित होकर समाज को शक्तिशाली बनाता है। हमारी पहचान, संस्कृति, और सामाजिक मूल्यों को समझने में मदद भी करता है। बताया गया कि पटेल छात्रावास निर्माण ट्रस्ट के माध्यम से जिले के हरेक गांव में जाकर छात्रावास निर्माण के लिए सदस्यता सह शिक्षा संकल्प अभियान चलाएगा और उसके उद्देशयों के बारे में बताएगा। इस संदर्भ में विधायक सह ट्रस्ट के अध्यक्ष मंटू सिंह पटेल ने हिन्दुस्तान को बताया कि यह अभियान पूरे बिहार को शिक्षा के क्षेत्र में जगाने के लिए है। आने वाले समय में लड़ाई शिक्षा की ही होगी। परिवार, समाज, गांव, राज्य और देश को बढ़ाने वाले लोग ही आगे रहेंगे। सरदार पटेल की विचारधारा को संतुष्ट करने वाले लोगों के लिए राज्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय में सरदार पटेल छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है। गांधी मंडप में अभियान समिति की बैठक में सरदार पटेल छात्रावास निर्माण अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर बबन कुमार सिंह, पूर्व वार्ड पार्षद ब्रजभूषण कुमार, बिनोद मंडल, अनिल कुमार पटेल सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पंसस ने लघु सिंचाई मंत्री से की ढाढर नदी में गाइडवाल निर्माण की मांग

गया, एजेंसी। फतेहपुर प्रखंड की काफी पिछड़ा व सुदूर नौडीहा झुरांग पंचायत की मुख्य समस्याओं को लेकर पंचायत समिति सदस्य मुकेश कुमार ने अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण व लघु सिंचाई मंत्री संतोष कुमार सुमन से पटना स्थित उनके आवास पर मिले। उन्होंने मंत्री से मिल उन्हें पंचायत की समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही उन्हें मांग पत्र सौंप उनसे समस्या निदान की मांग की। नौडीहा झुरांग पंचायत क्षेत्र संख्या 26 के पंचायत समिति सदस्य मुकेश कुमार ने बताया कि उन्होंने मुख्य रूप से ग्राम पंचायत नौडीहा झुरांग में हाई स्कूल नौडीहा से ग्राम गोली तक ढाढर नदी के किनारे गाइडवाल का निर्माण कराने की मांग रखी। इसके साथ ही बडगांव मोड़ से कुंभियातरी मोड़ से होकर मांझी टोला होते हुए रविदास टोला तक सड़क का निर्माण और कुंभियातरी स्थित अतिप्राचीन ऐतिहासिक व धार्मिक गोली पहाड़ी को विकसित करने और इसे पर्यटन क्षेत्र से जोड़ने की भी मांग की है। उन्होंने मंत्री श्री सुमन से कहा कि नौडीहा झुरांग पंचायत काफी पिछड़ा क्षेत्र है जो झारखंड के सीमा से सटा हुआ है। अगर इन मुख्य समस्याओं का निदान कर दिया जाए तो इस सुदूर क्षेत्र का विकास संभव होगा। साथ ही क्षेत्र के लोग भी खुशहाल होंगे। पंसस मुकेश कुमार ने मंत्री जी अनुरोध किया है कि क्षेत्र की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उपर्युक्त मुख्य मांगों को जल्द पूरा का आग्रह किया है। मंत्री श्री सुमन ने उपरोक्त समस्याओं का जल्द निराकरण का आश्वासन दिया है।

नवादा में डीएम ने कहा-सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर

नवादा, एजेंसी। नवादा में रविवार को समाहरणालय सभागार में डीएम आशुतोष कुमार वर्मा और एसपी अम्बरीष राहुल की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई। इसमें मोहर्रम को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के साथ विधि-व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। शांति समिति के सदस्यों से फीडबैक भी लिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि शांति समिति के सदस्य मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला के शांति दूत है। इस पर्व को सम्पन्न कराने के लिए सभी लोगों को तत्परता से कार्य करना होगा। इसके लिए जिला, अनुमंडल और भीड़ वाले स्थलों पर नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही सभी शांति समिति के सदस्य युवा वर्ग को शांतिपूर्ण ढंग से पर्व सम्पन्न कराने के लिए सही मार्गदर्शन देंगे। इसके लिए सभी प्रकार की आधारभूत सुविधा पर्व के अवसर पर नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएगी। लाईसेंस धारी भी अपने स्तर से वीडियो ग्राफी व फोटोग्राफी कराएंगे। ड्रोन के माध्यम से भी मेला

शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनायें मुहर्रम पर्व, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

और भीड़ पर निगरानी रखी जाएगी। मेला स्थल और कर्बला जाने के रास्ते में लाइटिंग और सीसीटीवी लगाने के साथ स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई और चलत शौचालय आदि की व्यवस्था सुलभ कराई जाएगी।

शांति समिति सदस्यों का मिला है सहयोग : एसपी : एसपी ने कहा कि अभी तक सभी पर्व त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से से सम्पन्न कराने में शांति समिति के सदस्यों का काफी सहयोग रहा है। इस मोहर्रम पर्व में भी शांति समिति के सदस्यों का सहयोग अपेक्षित है। सोशल मीडिया पर भी जिला प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार के अफवाह को सच मानने से पहले अधिकारियों से जांच करा लें। जुलूस में शामिल बच्चे किसी भी घटना पर रिएक्ट नहीं करें। डीजे पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। बाइक का प्रयोग जुलूस में नहीं किया जायेगा। राजनीतिक दलों का पोस्टर, बैनर आदि नहीं रहेगा। नशा में कोई नागरिक शामिल नहीं होंगे। अस्त्र-शस्त्र, डीजे और लाठी का उपयोग नहीं होगा।

भीड़ नियंत्रण के लिए बनाए जाएंगे ड्रॉप गेट

भीड़ को नियंत्रण करने के लिए जगह-जगह पर ड्रॉप गेट लगाया जाएगा। सीसीटीवी, वीडियो ग्राफी और ऊँचे भवनों पर सशस्त्र पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की जायेगी। उन्होंने कहा कि मुख्य जुलूस बुंदेलखंड से डीएम आवास तक जाएगी। जहां पर ड्रोन से भी निगरानी रखी जायेगी। जुलूस को दूसरे धर्म के स्थान पर नहीं रोकना है और किसी के भावनाओं को आहत नहीं पहुंचाना है।

लाइसेंसधारी ही जुलूस में होंगे शामिलर : जौली एसडीओ आदित्य कुमार पियूष ने कहा कि सभी लाईसेंस धारी को ही जुलूस में सम्मिलित किया जाएगा। निर्धारित रूट से ही जुलूस में शामिल लोगों को जाना है। लाउडस्पीकरकी अनुमति एसडीओ कार्यालय से दी जाएगी। रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर के उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा। जुलूस मार्ग में स्थित सभी बिजली के तारों को ठीक किया गया है। वालंटियर अपने साथ आधार कार्ड आदि पहचान पत्र अवश्य रखेंगे। अफवाह फैलाने वालों पर सख्ती से निपटाया जायेगा।

लाइटिंग व साफ-सफाई की हो व्यवस्था

मो अनवर भट्ट ने कहा कि लाइटिंग और साफ-सफाई की व्यवस्था नगर परिषद की ओर से किया जाना चाहिए। एमएलए प्रतिनिधि शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि मिल्की गांव में चार जगहों से ताजिया निकलती है। विरनामां और भट्ठा गांव में विशेष निगरानी की आवश्यकता है। मो फकरूद्दीन, विनय यादव, नारायण स्वामी मोहन, मो बैजुउद्दीन आदम खान, मो अरशद अफजली आदि ने भी मोहर्रम जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

अनंत-राधिका की शादी में लोग फूहड़ ड्रेस में थे:सभी के अंग दिख रहे थे, हमारा परिवार एडजस्ट नहीं करता: जीतनराम मांझी

पटना, एजेंसी। 12 जुलाई को भारत के बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी हुई। इस शादी में बॉलीवुड, हॉलीवुड से लेकर राजनीति की बड़ी-बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। शादी के दूसरे दिन 13 जुलाई को हुए आशीर्वाद समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पहुंचे।

शादी में बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव भी परिवार के साथ शामिल हुए। वहीं प्रदेश के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने इस शादी में शामिल नहीं होने की वजह बताई है। उन्होंने कहा कि इस शादी में फूहड़ प्रदर्शन हुआ है। फूहड़ कपड़ों के कारण शादी में शामिल लोगों के अंग दिख रहे थे। हमारा परिवार ऐसी जगह नहीं जा सकता था। हम एडजस्ट नहीं कर सकते थे। रविवार को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जहानाबाद में कार्यक्रम में पहुंचे थे। जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए ये बातें कहीं।

बेटा-बहू को साथ लेकर नहीं जा सकते थे

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से जहानाबाद में पत्रकारों ने सवाल किया कि आप मुकेश अंबानी के बेटे की शादी में क्यों नहीं गए? क्या आपको निमंत्रण मिला था या फिर निमंत्रण ही नहीं मिला? इसका जवाब देते हुए मांझी ने कहा कि अंबानी के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए हमें निमंत्रण मिला था। हम लोग छोटे तबके से हैं। जिस संस्कृति में वहां पर स्वागत हुआ और बारात निकली, उसको हम लोग कहते हैं कि फुहड़ ड्रेस में सभी लोग थे। सभी अंग दिख रहा था। ऐसी स्थिति में अपनी बेटी और बहू को वहां पर नहीं ले जा सकते थे।

हमने न्योता भेजवा दिया

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि जिस तरह के सूट और पैंट पहन के लोग वहां जाते हैं। कमर हिलाते हैं, वैसा हम नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि अलग से उन्हें शुभकामनाएं भेज दी है। जाना उचित नहीं समझे। क्योंकि, वहां पर अमीरी का जो प्रदर्शन है, उसमें मेरा परिवार एडजस्ट नहीं कर पाएगा।

बिहार से लालू यादव और चिराग पासवान का परिवार पहुंचा

देश की चर्चित और महंगी शादियों में शुमार अनंत अंबानी की शादी में राजनीतिक, सामाजिक, फिल्म और क्रिकेट जगत के साथ-साथ देश के कई नामचीन हस्तियां शामिल हुई थीं। बिहार से लालू यादव की पूरी फैमिली शादी में शामिल हुई थी। इसके अलावा चिराग पासवान भी अपनी मां के साथ शादी में पहुंचे।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ ने तीन लोगों के किया गिरफ्तार

किशनगंज, एजेंसी। किशनगंज में भारत बांग्लादेश सीमा पर रविवार को तीन बांग्लादेशी घुसपैठियों को बीएसएफ के जवानों ने पकड़ा। बीएसएफ की 72वीं बटालियन के बीओपी बोर्रा के जवानों ने तीनों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार तीनों लोग भारतीय सीमा से बांग्लादेश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। गिरफ्तार लोगों से जब पूछताछ की गई तो तीनों बांग्लादेशी नागरिक निकले। बीएसएफ महा निरीक्षक सूर्यकांत शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों घुसपैठियों की पहचान अब्दुल रहीम का बेटा रोबीउल (31), अकबर अली का बेटा मो फरीद (25), मो शाह जमाल का बेटा मो सैमुल (18) के रूप में हुई है। तीनों ही बांग्लादेश के ठाकुरगांव के रहनेवाले है।

कमजोर पड़ा मॉनसून, इस सप्ताह बारिश के आसार नहीं

पटना, एजेंसी। पटना सहित बिहार में इस सप्ताह मानसूनी बारिश के आसार नहीं है। जिस कारण अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने से लोगों को बैचैनी करने वाली गर्मी का एहसास होगा। प्रदेश का अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वायुमंडल में स्थानीय परिस्थितियां बनने के कारण कुछ जगहों पर गरज व चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह प्रदेश से मानसून की ट्रफ रेखा नहीं गुजरने और चक्रवाती परिसंचरण नहीं बनने के करण मानसून के झमाझम बारिश होने की संभावना नहीं है। हालांकि जुलाई में अब तक मानसून की अच्छी बारिश हुई है। सूबे में 20 जून को मानसून प्रवेश किया था। जिसका प्रसार पूरे बिहार में 28 जून को हुआ। जून में मानसून की बारिश सामान्य से 52 प्रतिशत कम रही। लेकिन 14 जुलाई तक मानसून की बारिश सामान्य से 9 प्रतिशत ही कम है। प्रदेश में 324 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए, लेकिन 296.3 मिमी ही बारिश हुई है।

28 जिलों में हुई सामान्य से कम बारिश : पटना सहित 28 जिलों में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। जबकि 10 जिलों में अधिक बारिश हुई है। सामान्य से सबसे कम बारिश सहरसा में 43 प्रतिशत हुई। वहीं सामान्य से सबसे अधिक बारिश किशनगंज में 64 प्रतिशत हुई। पटना में सामान्य तौर पर 282 मिमी बारिश होनी चाहिए। लेकिन 195.4 मिलीमीटर ही बारिश हुई। जो सामान्य से 31 प्रतिशत कम है।

26 शहरों का अधिकतम पारा चढ़ा

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को पटना सहित प्रदेश के 26 शहरों के अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। वहीं 9 के तापमान में गिरावट आई। प्रदेश का सबसे गर्म शहर 37.4 डिग्री सेल्सियस के साथ पुपरी रहा।

पटना में हुई हल्की बारिश, अधिकतम पारा चढ़ा : पटना में रविवार सुबह से ही बादलों की आवाजाही शुरू हो गई थी। जिस कारण लोगों को कभी गर्मी, तो कभी आंशिक तौर पर राहत महसूस हो रहा था। इस दौरान पटना सहित आसपास के इलाकों में कई बार बारिश भी हुई। राजधानी में दोपहर और शाम को हल्की बारिश हुई। इसके बावजूद अधिकतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई। राजधानी का अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

किसानों को अनुदान पर मिलेगा ड्रोन, खेती में होगी आसानी

सीवान में जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा 60 प्रतिशत तक का मिलेगा अनुदान

सीवान, एजेंसी। पीपीपी मोड योजना के तहत किसानों को कीटनाशक दवा और तरल पदार्थ के छिड़काव के लिए कृषि विभाग की ओर से ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा। ड्रोन की खरीदारी के लिए किसानों को 60 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाएगा। ड्रोन की मदद से बड़े रकबा वाले किसानों को दवा व तरल पदार्थ के छिड़काव में आसानी होगी। इसके लिए किसान अपने खेत के साथ-साथ दूसरे के खेतों में भी छिड़काव करने के लिए स्वतंत्र होंगे। किसानों को ड्रोन के लिए 7 लाख 3 हजार रुपया दिया जाएगा। इसमें किसानों को 60 प्रतिशत अनुदान मिल जाएगा। इसमें किसान को 4 लाख 38 हजार रुपया का अनुदान मिलेगा। जिला कृषि पदाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि किसानों को इस योजना का लाभ लेने के लिए कृषि विभाग के वेब साइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके बाद किसानों को यह ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा। आवेदन के बाद किसानों को लॉटरी सिस्टम से ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा। ड्रोन की खरीदारी के बाद पौधा संरक्षण के सहायक निदेशक जांच करेंगे। इसके बाद किसानों को अनुदान की राशि भुगतान कर दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि ड्रोन की मदद से किसानों को खेती करने में आसानी होगी। इससे किसान आसानी से अपने खेतों में तरल या किसी भी प्रकार के खाद का छिड़काव कर सकेंगे।

अभाविप ने की प्राचार्य पर कार्रवाई की मांग की

दरभंगा, एजेंसी। अभाविप ने लनामिवि के कुलपति से सीएम कॉलेज की घटना की उच्च स्तरीय जांच कर प्रधानाचार्य के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर अभाविप ने चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी भी दी है। विज्ञप्ति जारी कर जिला संयोजक वागीश झा ने कहा कि सीएम कॉलेज में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में नामांकन के दौरान छात्राओं व एससी-एसटी छात्रों से अवैध राशि ली जा रही थी। इसी मुद्दे को लेकर 13 जुलाई को प्रदेश सह मंत्री उत्सव पराशर, सत्यम कुमार, राजकुमार मुखिया, प्रणव कुमार प्रधानाचार्य से मिलने उनके कार्यालय पहुंचे थे। जिला संयोजक ने प्रधानाचार्य पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाते हुए अभाविप नेता पर प्राथमिकी के लिए आवेदन दिए जाने की निंदा की।

5 नई प्रजातियों के मुर्गे जल्द बाजार में, बिहार पशु विज्ञान यूनिवर्सिटी कर रहा रिसर्च

पटना , एजेंसी। मांसाहार के शौकीनों को जल्द नई प्रजातियों के मुर्गों का स्वाद चखने को मिलेगा। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय जल्द ही नया आयाम गढ़ने जा रहा है। विश्वविद्यालय मुर्गों की पांच नई प्रजातियां पर शोध कर रहा है, जो जल्द ही बाजार में आएगा। नई प्रजातियां रेड कॉर्निश कड़कनाथ, रेड कॉर्निश आरआईआर, रेड कॉर्निश फ्लाई माउथ रॉक के अलावा कड़कनाथ आरआईआर और आरआईआर रेड कॉर्निश शामिल होंगे। दूसरी प्रजातियों से क्रॉस प्रजनन कर इन्हें तैयार किया जा रह है। शोध विशेषज्ञों का दावा है कि नई प्रजाति की मुर्गियां ज्यादा अंडे देंगी। मुर्गों का वजन अधिक होगा। मौजूदा मुर्गों से इसका स्वाद भी अगल होगा। प्रोटीन की मात्रा ज्यादा होगी। महान क्रिटेकर महेंद्र सिंह धोनी कड़कनाथ मुर्गे का पालन करते थे।

वजन चार किलो तक होगा

मुर्गे का रंग लाल होगा। वजन चार किलो तक का होगा। आकार में अबतक की प्रजातियां से बड़ा होगा। इसका स्वाद भी मटन की तरह होगा। वहीं इस प्रजाति की मुर्गियां सलाना 250 तक अंडा देंगी। अभी जो मुर्गियां हैं वह साल में 100 से 200 तक ही अंडे देती हैं।

अब लाल रंग का भी होगा कड़कनाथ मुर्गा

काले रंग के कड़कनाथ मुर्गो की प्रजातियां अबतक देखी जा रही थी, लेकिन अब लाल रंगों में कड़कनाथ मुर्गा देखने को मिलेंगे। काले कड़कनाथ मुर्गो का वजन दो किलो तक ही है। इन मुर्गो की मांग भी अब कम हो गई है। नई तैयार हो रही प्रजातियां में कड़कनाथ मुर्गा न सिर्फ वजन होगा बल्कि लाल रंग का भी होगा। इससे मीट का रंग काले की जगह सामान्य मुर्गो की तरह होगा। स्वाद भी काले कड़कनाथ से बेहतर होगा। यह नई प्रजाति का कड़कनाथ मुर्गे के शौकीन लोगों को खूब भा सकता है।

विश्वविद्यालय के मुर्गी फार्म में पहले से आठ प्रजातियां : बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के मुर्गी फार्म में पहले से आठ प्रजातियां विकसित की गई हैं। अब कुल 13 हो जाएंगी। आठ प्रजातियों में वन राजा, फ्लाई माउथ रॉक, रेड कॉर्निश, कड़कड़नाथ आरआईआर, फ्लाई माउथ रॉक ब्लैक और दो प्रजातियां सीएसएफलएल, सीएसएमएस बरेली से आए हैं।

आरआईआर सबसे अधिक अंडा देने वाली प्रजाति

मुर्गियों में आरआईआर सबसे अधिक अंडा देने वाली प्रजाति होगी। यह याल में 240 से 250 से अंडा देगी। फिलहाल वनराजा 200 तक अंडे देती हैं। कड़कनाथ की प्रजाति एक वर्ष में सबसे कम 90 से 100 अंडे देती हैं। विवि के मुर्गी फार्म में 3 हजार मुर्गियां, 22 हजार चूजे और 500 मध्यम उम्र की मुर्गियों का पालन हो रहा है।

मुहर्रम को लेकर यातायात रूट बदले

भागलपुर, एजेंसी। सराय चौक से लेकर किलाघाट सराय तक मुहर्रम को लेकर दोपहर बाद से ही जायरीनों और पैकर लोगों की अत्यधिक भीड़ को देखते हुए सराय चौक, किलाघाट चौक, विश्वविद्यालय थाना के पास पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। बड़े और चार चक्का वाहनों को विश्वविद्यालय से सराय आने वाले रूट पर इंट्री नहीं दी जा रही है। शाम के समय साहेबगंज की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को टीएनबी कॉलेज के रास्ते भेजा रहा था तो टीएनबी कॉलेज की ओर आने वाले वाहनों को या तो लौटाया जा रहा था या फिर साहेबगंज के रास्ते जाने को कहा जा रहा था।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

परिवार नियोजन के बारे में लोगों को जागरूक करने निकला सारथी रथ

- कॉपर टी, अंतरा, कंडोम जैसे अन्य गर्भनिरोधक साधनों की दी जा रही जानकारी
- ढाका, पताही, मेहसी सहित अन्य प्रखंडों में हो रहा है सारथी रथ से प्रचार-प्रसार

बीएनएम। मोतिहारी

परिवार नियोजन जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले के अनुमण्डलीय अस्पताल ढाका, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पताही, मेहसी सहित अन्य प्रखंडों में परिवार नियोजन के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सारथी रथ के द्वारा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या को लेकर जागरूकता फैले और लोग जनसंख्या नियंत्रण हेतु कॉपर टी, अंतरा, कंडोम, छाया जैसे गर्भनिरोधक साधनों का प्रयोग बढ़ा सकें। सारथी रथ से माइकिंग कर समुदाय के लोगों को अस्थायी साधन के उपयोग के साथ ही स्थायी साधन अपनाने हेतु भी जागरूक किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि सरकारी अस्पताल में जाकर महिला बंध्याकरण या पुरुष नसबन्दी कराए। यह स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क कराया जा रहा है और इससे आपके शरीर पर कोई कुप्रभाव नहीं पड़ता है। सरकारी अस्पताल में नसबन्दी या बंधयाकरण कराने पर प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। जिले के डीसीएम नंदन झा ने बताया कि सारथी रथ के साथ आशा फैसिलिटेटर भी हैं जो प्रचार-प्रसार के साथ परिवार नियोजन के इच्छुक लाभार्थी को गर्भनिरोधक सामग्री, पम्पलेट आदि दे रही हैं। उन्होंने बताया कि जागरूकता लाने हेतु सारथी रथ को रूट चार्ट के अनुसार सभी 27 प्रखंड एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चलाया जाना है। इसके लिए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

पुरुष नसबंदी भी है सरल- जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीसी भारत भूषण ने बताया कि महिला बंध्याकरण की तरह ही पुरुष नसबंदी भी सरल है। इसमें बिना चीरा, बिना टांका पुरुष की नसबंदी की जाती है। नसबंदी कराने वाले पुरुषों को सरकार द्वारा क्षतिपूर्ति प्रोत्साहन के रूप में 3 हजार रुपये व प्रेरक को 400 रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि 31 जुलाई तक विशेष रूप से परिवार नियोजन सेवाओं के तहत प्रदान की जाने वाली सेवाओं जैसे कॉपर टी, गर्भनिरोधक सूई, बंध्याकरण एवं नसबंदी की सेवा प्रदान करने को विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की हुई समीक्षा बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला बाल संरक्षण इकाई के कार्यों की समीक्षा सोमवार को की गई। समीक्षा के दौरान मिशन वात्सल्य अंतर्गत स्पॉन्सरशिप योजना के तहत 45 नए लाभार्थियों को स्वीकृति दी गई। जिला प्रशासन और जिला बाल की संरक्षण ईकाई के संयुक्त प्रयासों के परिणामस्वरूप अब तक कुल 125 बच्चों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। उक्त के तहत पूर्व से 80 बच्चों को लाभावित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत 3 वर्ष तक या 18 वर्ष पूर्ण होने तक (जो पहले हो) प्रत्येक लाभार्थी को 4000/- रुपया मासिक 3 वर्ष तक देय है। जिलाधिकारी द्वारा बताया गया की मिशन वात्सल्य योजना का उद्देश्य बच्चों को उनकी सामाजिक एवम सांस्कृतिक परिवेश में रहने और बढ़ने का अवसर प्रदान करता है,ताकि उनका विस्थापन रोका जा सके तथा सभी को समान अवसर प्रदान हो सके। स्पॉन्सरशिप योजना के अंतर्गत कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान की जायेगी। उक्त चयनित 45 लाभुको में से 18 लाभुको को पात्रता पूर्ण होने के कारण स्वीकृति तथा शेष को सशर्त स्वीकृति देते हुए 15 दिनों के अंदर कागजात समर्पित करने का निर्देश दिया गया। राज्य सरकार एवम जिला प्रशासन इस स्पॉन्सरशिप कार्यक्रम के तहत इच्छुक बच्चों की संख्या अधिकतम करने के लिए जोर शोर से प्रयास कर रही है ताकि बच्चे परिवार और समुदाय के साथ सुरक्षित और सशक्त महसूस कर सके। इस अवसर पर सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा एवम दिव्यांगजन, सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई, बाल संरक्षण पदाधिकारी, विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान समन्वयक, बाल कल्याण समिति के सदस्य इत्यादि मौजूद रहे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक सम्पन्न

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन राजेश्वरी पांडे की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सड़क सुरक्षा समिति की भौतिक बैठक आहुत की गयी। उक्त सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए जिले में घटित सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सभी थानाध्यक्ष एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। हिट एंड रन सड़क दुर्घटनाओं में मुआवजा भुगतान की समीक्षा के क्रम में सभी थानाध्यक्ष/जिला परिवहन पदाधिकारी को त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। सभी थानाध्यक्ष को सड़क दुर्घटनाओं की शत प्रतिशत प्रविष्टि आईआरएडी/ईडीएआर पोर्टल पर करने हेतु निदेशित किया गया। थाना स्तर पर पेंडिंग चालान की समीक्षा के क्रम में सभी थानाध्यक्षों को संबंधित वाहन स्वामियों से अविलंब चालान की राशि जमा कराने हेतु निदेशित किया गया। शहर में जाम की समस्या से निजात पाने हेतु थानाध्यक्ष, यातायात को आवश्यक निदेश दिया गया। परियोजना निदेशक एनएचएआई मोतिहारी एवं दरभंगा/कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, मोतिहारी एव ढ़ाका/सभी कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य प्रमंडल को सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए मार्गो पर आवश्यक रोड साईनेज/रम्बल स्ट्रीप लगाने हेतु निदेशित किया गया। बैठक में बताया गया कि सड़क दुर्घटना से संबंधित समेकित प्रतिवेदन सभी थाना प्रभारी डीएसपी ट्रैफिक के माध्यम से अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन मोतिहारी के कार्यालय को भिजवाएंगे। डीएसपी ट्रैफिक ने सभी थाना प्रभारी को निर्देश दिया कि थाना स्तर पर सड़क दुर्घटना से संबंधित कोई भी प्रतिवेदन लंबित नहीं रहनी चाहिए। जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि सभी पथों के अभियंता अपनी टीम के साथ पथों का निरीक्षण कर ले एवं दुर्घटना रोकने के लिए सभी जरूरी कार्य सुनिश्चित कराएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के उपस्थित पदाधिकारी से चकिया एवं ढाका साइड के तरफ एक-एक एंबुलेंस क्षेत्र के लिए उपलब्ध कराने की बात कही ताकि रोड एक्सीडेंट के समय तत्काल एंबुलेंस उपलब्ध हो सके। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन के साथ जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल, अनुमंडल पदाधिकारी सिकरहना (ढाका), डीएसपी ट्रैफिक, एसीएमओ डॉक्टर श्रवण कुमार पासवान, एनएचएआई के प्रोजेक्ट मैनेजर, एनएच के अभियंता, ट्रैफिक थाना प्रभारी सहित अन्य थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

शांति व सद्भाव के साथ मनाएं मुहर्रम का पर्वः डीएम, एसपी

- किसी भी तरह की गड़बड़ी की सूचना नियंत्रण कक्ष 06252-242418 पर दें अविलंब
- ताजिया जुलूस विवादग्रस्त स्थल या मार्ग से नहीं गुजरे इसका रखें ध्यान

बीएनएम। मोतिहारी

मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सद्भाव के साथ संपन्न कराने को लेकर जिला में चिन्हित 556 स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की तैनाती की गई है। इस वर्ष मोहर्रम का पर्व कल बुधवार को मनाये जाने की सूचना है जो चांद के दृष्टिगोचर होने पर निर्भर करेगा। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक कांतेश मिश्रा के द्वारा जिला में चिन्हित किए गए 556 स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। यह प्रतिनियुक्ति सदर अनुमंडल मोतिहारी में 155 स्थानों पर, चकिया अनुमंडल में 99 स्थान, पकड़ीदयाल में 36, सिकरहना में 127,अरेराज में 82 एवं रक्सौल में 57 जगह को चिन्हित करते हुए वहां पर दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके लिए जॉइंट आर्डर निकाला गया है। जॉइंट ऑर्डर में स्पष्ट निर्देश है कि सांप्रदायिक तत्वों, असामाजिक तत्वों एवं गुंडा तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने की आवश्यकता है। अवैध आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक पदार्थ के संबंध में भी सतर्कता रखने एवं समुचित कार्रवाई करने की जरूरत है। बिना लाइसेंस के ताजिया जुलूस निकालने की अनुमति नहीं देनी है, यदि किसी व्यक्ति या संस्था के द्वारा जुलूस निकालने की अनुमति की मांग की जाती है तो रूट एवं समय आदि को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार अनुज्ञप्ति निर्गत करने का निर्देश दिया गया है। जुलूस के प्रमुख व्यक्तियों का मोबाइल नंबर एक पंजी में संधारित करने के लिए कहा गया है ताकि आवश्यकतानुसार उनसे संपर्क स्थापित किया जा सके। प्रत्येक थाना और प्रखंड स्तर पर क्विक रिस्पांस टीम का गठन करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी का स्पष्ट निर्देश है कि ताजिया जुलूस विवादग्रस्त स्थल या मार्ग से नहीं गुजरे तथा जुलूस को एक-दूसरे से आगे ले जाने की प्रति स्पर्धा नहीं हो, इसका ध्यान रखा जाए।

सभी थानों में सांप्रदायिक गुंडा रजिस्टर को अद्यतन रखने तथा उससे संबंधित व्यक्तियों पर इस पर्व के अवसर पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है। मुहर्रम पर्व के अवसर पर विधि व्यवस्था एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने हेतु दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य संवेदनशील स्थान जहां प्रतिनियुक्ति जरूरी है, संबंधित थाना प्रभारी अपने स्तर से पुलिस बल,चौकीदार एवं दफादार आदि की प्रतिनियुक्ति टोली बनाकर करना सुनिश्चित करेंगे। सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी,पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल के लोग अपने-अपने क्षेत्र में सघन गश्ती करेंगे एवं आसूचना का संकलन करेंगे। यदि किसी प्रकार की अप्रिय घटना या तनाव उत्पन्न होने की संभावना हो तो आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए इसकी सूचना संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी/अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को शीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। सभी प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल जॉइंट ऑर्डर में दिए गए निर्देश के अनुसार ससमय अपने प्रतिनियुक्ति स्थान को ग्रहण करेंगे एवं आसपास की गतिविधियों पर समुचित नजर रखेंगे। इस अवसर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने एवं अनुमंडल स्तर पर भी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने का निर्देश दिया गया है। जिला स्तर पर अलग से नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है जो 06252-242418 पर लगातार कार्यरत रहेगा। नियंत्रण कक्ष में पदाधिकारी एवं कर्मियों की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा अपील की गई है कि सभी लोग अच्छे से शांति एवं सद्भाव के साथ मुहर्रम का पर्व मनाएं। कहीं कोई गड़बड़ी करने का प्रयास करेगा तो प्रशासन सख्ती से निपटेगा।

दो बाइक की आपस मे टक्कर दोनों की स्थिति नाजुक

बीएनएम। रामगढ़वा

रामगढ़वा थाना क्षेत्र में संध्या के समय नरीरगिर चौक के आगे रहमान पेट्रोल पंप के सामने दो मोटर साइकिल आपस मे भीड़ गए जिसमे दोनों बाइक सवार जख्मी हो गए । घटना को देखते मौके पर ग्रामीण सहित पुलिस बल भी दल बल के साथ पहुंच कर घायलों को बेहतर इलाज के लिए रामगढ़वा पीएचसी लाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को रेफर कर दिया गया। वही ग्रामीणों ने बताया कि एक बाइक पेट्रोल पंप से तेल लेकर जैसे ही एनएच 28 पर चढ़ा तब तक रामगढ़वा से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दिया जिसमें दोनों घायल हो गए। वही इसकी पुष्टि करते हुए प्रशिक्षु डीएसपी मधु कुमारी ने बताया कि नरीरगिर चौक के आगे पेट्रोल पंप के सामने दो बाइक की आपस मे टक्कर हो गयी है।जिसमे दोनों घायलों को इलाज के लिए रामगढ़वा पीएचसी में बेहतर इलाज के लिए भेज दिया गया है। दोनों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। वही घायलों की पहचान इनरवा गांव निवासी सगीर मियां के पुत्र अब्दुल्ला के रूप मे की गई है जबकि दूसरे की पहचान येसु दास उड़िया निवासी के रूप में कई गयी है जबकि इसके पास दो फोन है जिसमे अलग अलग नाम दिख रहा है। जिससे इसकी पहचान क्लियर नही हो पाया है। जबकि पता चला है कि रामगढ़वा बाजार से एक दुकानदार का बैग छीनकर तेजी में भाग रहा था जो पेट्रोल पम्प के पास दुर्घटना हो गयी है जबकि दुकानदार के द्वारा इसकी पहचान की गई है। हालांकि दुकानदार के बैग में चाभी व कुछ डायरी था।

बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री का किया वितरण

बीएनएम। केसरिया

सामाजिक कार्यकर्ता सह अधिवक्ता विजय कुमार के सौजन्य से सोमवार को राजपुर कोठी चौक स्थित एक निजी विद्यालय के बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री वितरित की गई। अधिवक्ता श्री कुमार ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य है। बच्चों को एक बेहतर शैक्षणिक माहौल देकर उन्हें आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को पाठ्य सामग्री देकर उनके बेहतर भविष्य के लिए एक छोटा सा प्रयास किया है। पाठ्य सामग्री वितरण के समय विद्यालय के निदेशक नवनीत जायसवाल, राजनंदन पाल, मुरली मनोह, खुशबू कुमारी, काजल कुमारी, शिवम कुमार समेत अन्य मौजूद रहे।

शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं मुहर्रम पर्व : जिलाधिकारी

- साम्प्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने वाले तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा
- असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के विरुद्ध की जाएगी सख्त निरोधात्मक कार्रवाई
- सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर रखी जायेगी विशेष नजर

बीएनएम। बेतिया

मुहर्रम पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था के दृष्टिगत एवं सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के अध्यक्ष, कार्यकर्ता सहित जिलास्तरीय शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे। जिलाधिकारी, दिनेश कुमार राय ने जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक के सम्मानित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी के सहयोग से पूर्व के सभी पर्व-त्यौहार को शांति एवं सद्भाव के साथ मनाया जाता रहा है। मुहर्रम पर्व भी शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएंगे । उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न स्तरों पर शांति समिति की बैठक करा ली गयी है। संवेदनशील स्थलों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी सहित पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के विरुद्ध सख्त निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से अफवाह फैलाने वाले तत्वों पर विशेष नजर रखी जायेगी तथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साम्प्रदायिक सद्भाव को प्रभावित करने वाले तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा

कि सोशल मीडिया/ फेक न्यूज के गलत अफवाहों पर ध्यान नहीं देंगे। भड़काऊ बयानबाजी भेदभाव उत्पन्न करते हैं, बिना किसी भेदभाव के एक दूसरे धर्म का सम्मान करें, शांति व्यवस्था भंग न होने दें, किसी प्रकार की अप्रिय घटना सहित छोटी-छोटी बातों की सूचना प्रशासन तक यथाशीघ्र पहुंचाएं । उन्होंने कहा कि सक्षम प्राधिकार के बिना अनुमति के जुलूस निकालने पर पाबंदी है। जुलूस निकालने के लिए सक्षम प्राधिकार से अनुज्ञप्ति लेनी आवश्यक है। अनुज्ञप्ति में निहित शर्तों का शत-प्रतिशत अनुपालन आयोजकों को करना होगा। शर्तों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित रूट चार्ट के अनुरूप ही जुलूस निकाला जाय। डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी पूरी तरह सजग एवं सतर्क रहकर मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराएंगे। प्रत्येक गतिविधि पर पैनी नजर रखेंगे और त्वरित गति से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया एवं एसडीएम, बेतिया सदर को निर्देश दिया कि मुहर्रम पर्व को लेकर इमामबाड़ा एवं करबला में चलंत शौचालय एवं पानी टैंकर की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी सम्मानित सदस्य शांति का संदेश फैलाएं, अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को शांतिपूर्ण माहौल में पर्व मनाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि मुहर्रम के पूर्व संध्या से लेकर अंतिम संध्या तक शांति समिति के सदस्य, अन्य माननीय जनप्रतिनिधिगण, सामाजिक कार्यकर्ता नजर बनाए रखेंगे। किसी भी तरह की अप्रिय सूचना मिलने पर तुरंत प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को सूचित करेंगे। इस विषय पर सभी सम्मानित सदस्यों द्वारा स्वेच्छा से सहमति व्यक्त की गई। पुलिस अधीक्षक, बेतिया, अमरकेश डी तथा पुलिस अधीक्षक, बगहा, सुशांत कुमार सरोज ने कहा कि जिले के सभी पुलिस अधिकारी अलर्ट हैं। असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। ऐसे तत्वों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई, बंध पत्र सहित अन्य कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। मुहर्रम पर्व पर ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जाएगी। साथ ही वीडियोग्राफी करायी जाएगी। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों से कहा कि शांति एवं सद्भाव के साथ मुहर्रम पर्व को मनाएं।

डीएओ के निरीक्षण में दो सहायक तकनीकी प्रबंधक मिले अनुपस्थित, मांगा स्पष्टीकरण

बीएनएम। अरेराज/हरसिद्धि

जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह ने सोमवार को अरेराज कृषि कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान क्षेत्र के खाद दुकानों, बीज वितरण की स्थिति, विभागीय योजनाओं से संबंधित प्रगति आदि की जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न विभागीय पंजी की जाँच कर इसे दुरुस्त रखने को निदेशित किया। इससे पहले डीएओ श्री सिंह ने सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की। इधर, डीएओ द्वारा हरसिद्धि प्रखण्ड कृषि कार्यालय का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में दो सहायक तकनीकी प्रबंधक प्रिंस राज व अंकित कुमार निराला अनुपस्थित पाये गये। इन दोनों कर्मियों से कारणपृच्छा की गई है। वहीं बीएओ अमरेंद्र कुमार से विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कृषि समन्वयक प्रमोद कुमार, सुरेश कुमार, रामा प्रसाद सिंह, किसान सलाहकार सुनीता देवी, देवेंद्र सिंह, बबुआकांत दास, रजनी रंजन नाथ सहित अन्य मौजूद थे।

गंडक तटवर्ती इलाकों से कम हो रहा बाढ़ का पानी

अंचल प्रशासन द्वारा बाढ़ पीड़ितों को उपलब्ध करायी गई पॉलीथिन

बीएनएम। केसरिया

गंडक नदी का जलस्तर घटने लगा है। जिससे क्षेत्र के कढान गाँव स्थित गंडक नदी तटवर्ती इलाकों के निचले हिस्से से बाढ़ का उतरना शुरू हो गया है। जिससे लोगों ने थोड़ी राहत की सांस ली है। विगत कुछ दिनों से जलस्तर में वृद्धि के कारण लोगों की चिंता बढ़ गई थी। चंपारण तटबंध के कढान से इस पंचायत के वार्ड संख्या नौ को जोड़ने वाली सड़क से भी पानी उतरने लगा है। वहीं ढेकहाँ पंचायत के तटबंध से वार्ड संख्या 11 को जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। जिससे इस वार्ड में बसे करीब एक सौ परिवार के लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। वहीं कुछ घर पानी से पूरी तरह घिरा है। ग्रामीण रामसूरत राम, योगेंद्र राम, दुलारी देवी सहित अन्य ने बताया कि रविवार की देर रात तक पानी का बहाव तेज था। सोमवार से बाढ़ की पानी में कमी आयी है। प्रभावित लोगों ने बताया कि प्रशासन द्वारा नाव की व्यवस्था करायी गई है। जिसके सहारे बाढ़ पीड़ित आवश्यक कार्य से सुरक्षित स्थान पर जा रहे हैं। इसी पंचायत के वार्ड संख्या 10 के एक टोला में बसे करीब एक दर्जन से अधिक परिवार चंपारण बांध पर शरण लिये हुए हैं। ये बस्ती भी पानी से पूरी तरह घिर चुकी है। यहाँ भी प्रशासन द्वारा नाव की व्यवस्था करायी गई है। प्रभावित लोग इस नाव से आवश्यक कार्य से सूखे स्थान पर जा रहे हैं। सोमवार को अंचल प्रशासन द्वारा ढेकहाँ पंचायत में करीब तीन दर्जन से अधिक प्रभावित लोगों को तिरपाल (पॉलीथिन) उपलब्ध कराया गया। इस कार्य के लिए राजस्व कर्मचारी प्रिंस कुमार, दीपक कुमार, विनोद कुमार सहित अन्य कर्मियों को लगाया गया था। बाढ़ प्रभावित सुनीला देवी, सुरेश महतो, रमेश कुमार, चंपा देवी सहित अन्य ने बताया कि फिलहाल रहने व खाने की समस्या हो रही है। प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गये तिरपाल के सहारे बाँध पर शरण लिये हैं। तटबंध के ढेकहाँ से मझरिया जाने वाली के क्षतिग्रस्त भाग को आरईओ चकिया प्रमण्डल के सहायक अभियंता राजेश्वर तिवारी की देखरेख में मरम्मत कार्य जारी है। यहाँ भी पानी का दबाव कम हुआ है। अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा ने बताया कि क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है। वहीं क्षतिग्रस्त जगहों पर संबंधित विभाग के द्वारा मरम्मत कार्य किया जा रहा है। स्थिति नियंत्रण में है।

धनहा पुलिस ने दो युवकों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया

बीएनएम। बगहा

धनहा थाना की पुलिस ने हथियार के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दरअसल अपराध मुक्त बिहार अभियान के अंतर्गत धनहा के गौतम बुद्ध सेतु पर सघन जांच के दौरान पुलिस ने दो लोगों को देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों में एक उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले का निवासी है और दूसरा बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के चनपटिया का निवासी है। पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिला के रामकोला निवासी आफताब मिया और पश्चिम चंपारण के चनपटिया निवासी विसमिल्ला मिया को संदिग्ध अवस्था में पाया है लिहाजा तलाशी लेने पर उनके पास से देशी कट्टा और जिंदा कारतूस बरामद हुआ है । इधर धनहा पुलिस ने मौके से ही दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया और उनकी बाइक भी जब्त कर ली । इसकी जानकारी देते हुए एसडीपीओ कुमार देवेंद्र नें बताया है की दोनों की अपराधिक इतिहास है या नहीं इसको पुलिस खंगाल रहीं है औऱ दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज़ दिया गया है।

समारोह आयोजित कर जनप्रतिनिधियों ने दी बीडीओ और जेएसएस को विदाई

बीएनएम। तुरकौलिया

प्रखंड परिसर स्थित सभागार भवन में रविवार को विदाई समारोह आयोजित कर बीडीओ रमेंद्र कुमार व जेएसएस अरविन्द कुमार ठाकुर का विदाई किया गया। विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख, सभी पंचायत समिति सदस्य एवम मुखिया संघ तुरकौलिया,के अलावे जिला परिषद द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का अध्यक्षता मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार टाइगर ने किया। जहां सभी मुखिया,पंचायत समिति सदस्य एवम् क्षेत्र संख्या 20,21 जिला परिषद ने बीडीओ रमेंद्र कुमार व जेएसएस अरविन्द कुमार ठाकुर को बुके व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुखिया सुनील टाइगर ने कहा कि हम सभी मुखिया एवम पंचायत समिति सदस्य जब भी किसी कार्य को लेकर बीडीओ साहब से मिलते थे तो हमलोगों के कामों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निष्पादन करते थे। इतना ही नही जब भी कोई फरयादी अपना फरियाद लेकर प्रखंड कार्यालय पहुंचते थे। उनका समस्या सुनते हुए तुरंत आन द स्पॉट हल करने का प्रयास करते थे। एक पदाधिकारी के रूप में इनका जो योगदान रहा है। यहां के लोगों के दिलों पर एक अमिट छाप के रुप में हमेशा याद रहेगा। हम लोगों ने देखा है कि कोई भी काम को बासी नही छोड़ते हैं। आफिस टाइम समाप्त होने के बाद भी देर शाम तक अपने कार्यालय में बैठकर फाइलों का निपटारा करते रहते थे। यही इनका तकरीबन रोजाना का रूटीन रहता था। नौकरी में तबादला होना एक सच्चाई है। लेकिन इनके जाने के बाद इनके कार्यशैली को लेकर दशकों तक तुरकौलिया प्रखंड में चर्चा होते रहेगा। मधुर वाणी और सरल व्यवहार के मालिक होने के कारण इनके व्यक्तित्व और लोगों से से अलग था। यही कारण है कि इन्हें विदा करते हुए सभी का आंखें नम हो गई है। वही पंचायत समिति सदस्य ने भी कहा कि अधिकारी के रुप में कम और अभिभावक के रुप में ज्यादा नजर आते थे। अपने मातहत कर्मियों को हमेशा पुरी इमानदारी से कार्यों को करने का नसीहत देते रहते थे। विदित हो कि बीडीओ रमेंद्र कुमार के जगह पर नए बीडीओ प्रियंका कुमारी ने योगदान दिया है। जहां नये बीडीओ के रूप में प्रियंका कुमारी का भी स्वागत किया गया। विदाई समारोह के दौरान जेएसएस अरविन्द कुमार ठाकुर, जिला परिषद आभा कुमारी, जिला परिषद प्रतिनिधि हेमन्त किशोर वर्मा, प्रमुख प्रतिनिधि मुन्ना लाल यादव, अध्यक्ष मुखिया संघ तुरकौलिया सुनील टाइगर, अशरफ आलम, विनोद सिंह, विजय साह, बालेश्वर सिंह, रमेश सहनी, शंभू श्रीवास्तव, विनोद राम, राकेश कुमार बंगाली, मिथलेश सोनी, मंटू राम, राजकिशोर सिंह, चंदेश्वर पासवान, अम्बिका हाजरा, अशरफी महतो, रजनीश राय, अशोक यादव, सरपंच मनोज गुप्ता, उप सरपंच अजमल कमाल, उप मुखिया मुजफ्फर आलम, प्रिंस कुमार, चंदन कुशवाहा आदि मौजूद थे।

नारायणी गंडक नदी में शवों के बहकर आने का सिलसिला जारी

बीएनएम। बगहा

नारायणी गंडक नदी में बाढ़ के पानी मे शवों के बहकर आने का सिलसिला जारी है। सोमवार को भी गंडक नदी के बीच धार में शव को बहते हुए देखा गया। बतादें की रविवार को भी दो शवों को गंडक नदी में बहकर आए पूर्वी नहर से बाहर निकालकर नेपाल पुलिस कब्जे ले नेपाल स्थित नवलपरासी अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए ले गई थी। बतातें चलें कि गत दिनों नेपाल स्थित मुंगलिंग के समीप त्रिशूली नदी में यात्री बस गिर गई थी जिसमे कई यात्री लापता बताए जा रहे हैं जिसकी खोज नेपाल पुलिस प्रशासन के द्वारा की जा रही है। नेपाल पुलिस की माने तो शवों के पोस्टमार्टम और उसकी शिनाख्त के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। फ़िलवक्त शवों को खोजकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

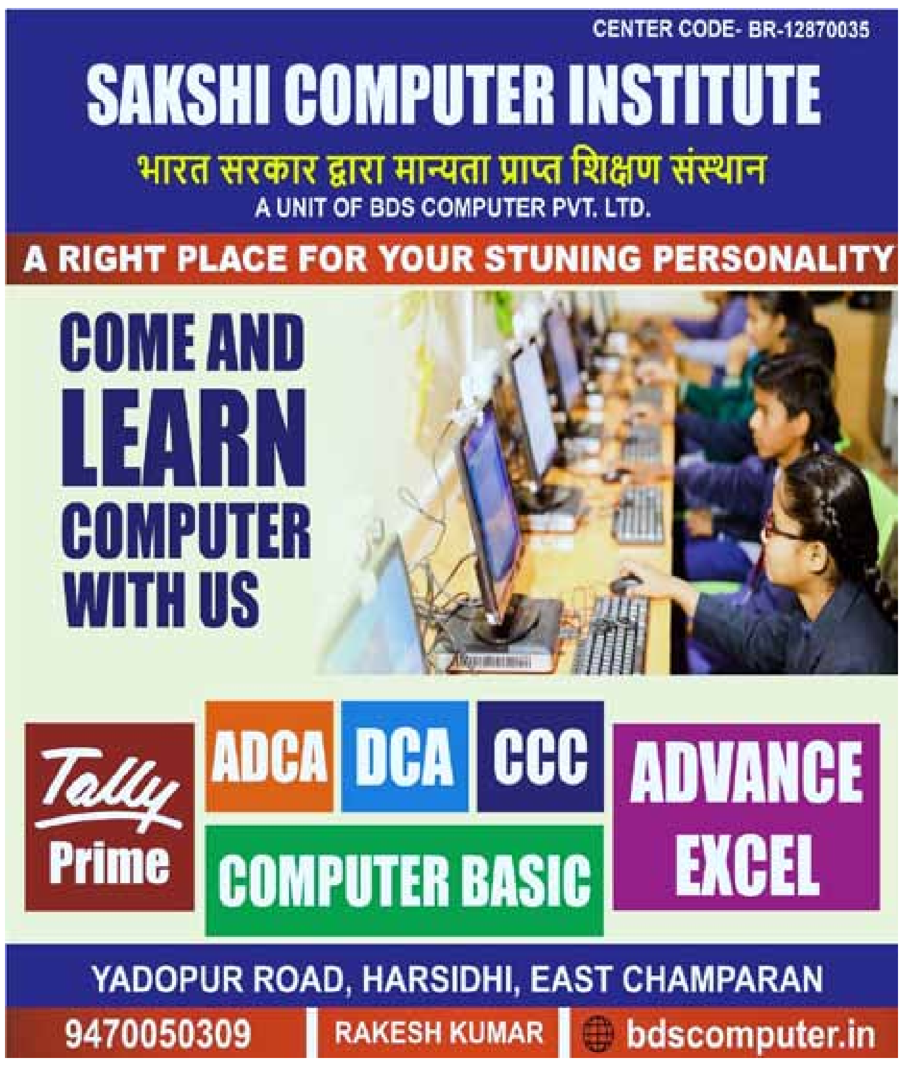

संपादकीय

तुरंत हटाएं शंभू बॉर्डर पर लगाए अवरोधक

सर्वोच्च अदालत ने हरियाणा सरकार से अंबाला के पास शंभू बॉर्डर पर लगाए अवरोधक हटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने राजमार्ग को अवरुद्ध करने के अधिकार पर भी प्रश्न उठाए। कोई राज्य हाईवे को कैसे बंद कर सकता है। यातायात नियंत्रित करने को उसका दायित्व बताते हुए अदालत ने कहा कि किसान भी देश के नागरिक हैं। उन्हें खाना दीजिए, चिकित्सकीय देखभाल कीजिए। पीठ ने कहा वे आएंगे, नारे लगाएंगे, वापस चले जाएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा, किसान मजदूर मोर्चा द्वारा फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली चलो की घोषणा के बाद हरियाणा सरकार ने फरवरी में अंबाला-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग में बैरीकेड्स लगा दिए थे।

शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। जैसा कि फरवरी में प्रदर्शनकारी किसानों और हरियाणा के सुरक्षाकर्मियों के दरम्यान हुई झड़प में हुई किसान की मौत की जांच के लिए उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में पैनल गठित करने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार का कहना है कि 400-500 किसान पंजाब की तरफ बैठे हैं। सबसे बड़ी अदालत की नाराजगी उस यातायात अव्यवस्था के कारण है, जिससे जनता को हर रोज जूझना पड़ता है। इस पर हैरत नहीं होती कि सरकारें किस बेरुखी से व्यस्त सड़कों पर अवरोधक लगाने के आदेश जारी कर देती हैं। पांच महीनों से ऐसी सड़क को बाधित रखना, जिसका प्रयोग ढेरों लोग नियमित तौर पर करते हैं। यहां तो किसानों के उग्र आंदोलन की दलील दी जा सकती है जबकि देखने में आता है कि राजनेताओं की सुविधा और उनके कार्यक्रमों के मद्देनजर देश भर में अवरोधकों के धड़ल्ले से उपयोग होते रहते हैं। अदालतों की कड़ी टिप्पणियों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। सरकारी आदेशों या नियमों के विरोध का हक नागरिकों से छीना नहीं जा सकता। उन्हें काबू में रखने के तरीके मानवीय और व्यावहारिक भी हो सकते हैं। बात नाराज किसानों की ही नहीं है, बल्कि सड़क को लंबे समय तक बंद रखने और वैकल्पिक व्यवस्था देने में कोताही की भी है। उम्मीद की जानी चाहिए अदालत के इस आदेश से सरकारें सीख लेंगी और भविष्य में अवरोधकों का बेजा प्रयोग थम जाएगा।

उपचुनाव के नतीजों से एनडीए को झटका

देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के शनिवार को आए नतीजों में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने भाजपा को करारा झटका देते हुए 10 सीटें जीत लीं। भाजपा दो सीट ही जीत सकी जबकि एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार की जीत हुई। पश्चिम बंगाल की चार, हिमाचल प्रदेश की तीन, उत्तराखंड की दो, पंजाब, मध्य प्रदेश, बिहार और तमिलनाडु की एक-एक सीट के लिए चुनाव हुआ था। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस, 'आप', टीएमसी और द्रमुक ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। नतीजों से इंडिया गठबंधन के घटक दल गद्गद् हैं, और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाजरुन खरगे ने नतीजों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दावा कि लोगों ने भाजपा के अहंकार, कुशासन और नकारात्मक राजनीति को नकार दिया है और नतीजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की गिरती राजनीतिक साख का प्रमाण हैं। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट करके इन नतीजों पर मतदाताओं का आभार जताया है।

खास बात यह रही कि उत्तराखंड, हिमाचल और पंजाब में जनता ने पाला बदलने वाले नेताओं को नकार दिया। उत्तराखंड की दोनों सीटें कांग्रेस ने जीत लीं। सर्वाधिक चर्चा प्रसिद्ध तीर्थस्थल बद्रीनाथ सीट की है, जहां कांग्रेस अपनी सीट बरकरार रखने में सफल रही। यहां भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़े राजेंद्र सिंह भंडारी कांग्रेस के सिटिंग विधायक थे लेकिन पाला बदल कर भाजपा में जा मिले। भाजपा ने उन्हें प्रत्याशी बना दिया लेकिन कांग्रेस के लखपत सिंह बुटोला ने उन्हें पराजित कर दिया। हिमाचल प्रदेश में भी रोचक परिदृश्य उभरा है। देहरा सीट से मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की पत्नी कमलेश जीतीं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी को हराया। प्रदेश में पहली बार होगा जब पति-पत्नी सदन में साथ होंगे। कांग्रेस के विधायक 40 हो गए हैं, जबकि भाजपा की 28 सीटें हैं। फरवरी में राज्य सभा चुनाव के वक्त विधायकों की बगावत से कांग्रेस की सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे, जो टल गया है। मध्य प्रदेश में कमलनाथ के गढ़ माने जाने वाले छिंदवाड़ा क्षेत्र में भाजपा ने कांग्रेस को फिर झटका देते हुए अमरवाड़ा सीट जीत ली। पश्चिम बंगाल में दीदी का जलवा कायम है, और टीएमसी ने चारों सीटें जीत लीं। भाजपा से तीन सीटें छीनी हैं। बेशक, नतीजे भाजपा के लिए खतरे की घंटी हैं, जिनका उप्र में विधानसभा की 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव तथा हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के आसन्न असेंबली चुनाव पर निश्चित असर दिखेगा।

डिजिटल अटेंडेंस : बेवजह का विरोध

आज हम एक ऐसे देश में रह रहे हैं जहां चाय, ब्रेड, दूध आदि जैसे रोजमर्रा के खचरे और खरीदारी के लिए डिजिटल मोड जनता की पहली पसंद बन चुका है। अमेजॉन के एक सर्वे में यह बात सामने आई है कि ऑनलाइन खरीदारी के लिए जहां 90 प्रतिशत भुगतान डिजिटली किया जा रहा है वहीं स्टोर्स में भी डिजिटल भुगतान 50 प्रतिशत जनता की पहली पसंद बन गया है।

देश में डिजिटल क्रांति ने जीवन के हर पहलू को न सिर्फ छुआ है, बल्कि बदल कर रख दिया है। ऐसे में जब हम ऐसी खबरें सुनते हैं कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार द्वारा परिषदीय स्कूलों में लागू की गई डिजिटल अटेंडेंस व्यवस्था का प्रदेश के शिक्षकों द्वारा यह कहते हुए विरोध हो रहा है कि यह 'अव्यावहारिक' है, तो निश्चिय ही आश्चर्य होता है। कोई बड़ी बात नहीं कि विरोध कर रहे शिक्षकों के मोबाइल में भुगतान करने के लिए 'भीम एप', मनोरंजन के लिए ओटीटी ऐप, खाना ऑर्डर करने के लिए 'डिलीवरी एप', खरीदारी के लिए भी विभिन्न ऐप पहले से ही मौजूद हों। ऐसे में सिर्फ डिजिटल अटेंडेंस का विरोध करना खुद ही व्यावहारिक नहीं लगता। योगी सरकार ने 8 जुलाई से सभी परिषदीय स्कूलों में मौजूद सभी 12 रजिस्टरों को डिजिटल करने का फैसला लिया है, और सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इसे सख्ती से लागू करवाने का निर्देश दिया है।

इन्हीं रजिस्टरों में शिक्षकों की अटेंडेंस का रजिस्टर भी शामिल है, जिसमें फेस रिकग्निशन के जरिए स्कूल परिसर में ही स्कूल खुलने और बंद होने के 15 मिनट पहले और बाद में हर शिक्षक को अपनी उपस्थिति टैब के जरिए डिजिटली दर्ज करानी है। नई व्यवस्था के विरोध को देखते हुए प्रदेश सरकार ने इसमें 30 मिनट का ग्रेस टाइम भी दे दिया है। इसी व्यवस्था का विरोध यह कहते हुए हो रहा है कि इसमें व्यावहारिक दिक्कतें हैं, वहीं बरसात में मौसम और आकस्मिक स्थिति में शिक्षक द्वारा इस व्यवस्था का अनुसरण करना संभव नहीं होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या यह विरोध सिर्फ इसलिए है कि इसमें कुछ दिक्कतें आएंगी या फिर किसी और चीज की पर्दादारी है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। एक ओर तो प्रदेश के 133035 प्राथमिक, कंपोजिट और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी हमेशा ही बनी रहती है वहीं जो शिक्षक हैं भी, उनमें से कई, स्कूलों में नहीं आते हैं, या सिर्फ एक बार रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कर, निकल लेने की फिराक में रहते हैं। राज्य के शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2022-23 में प्रदेश में कुल 453594 शिक्षक थे जबकि 126028 पद रिक्त हैं, ऐसे में यदि मौजूद शिक्षक भी विद्यालय न आएं तो शिक्षा की स्थिति समझी जा सकती है। यह सीधे-सीधे बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि हमें प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करनी है तो सरकार को व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन करने होंगे। डिजिटल रजिस्टर उसी दिशा में उठाया गया कदम जान पड़ता है। इसके लिए शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय प्राथमिक, कंपोजिट विद्यालयों के शिक्षकों के उपयोग के लिए 2,09,863 टेबलेट्स उपलब्ध कराए गए हैं। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के लिए टेबलेट उपलब्ध कराए जाने की प्रक्रिया जारी है।

निर्देशों के अनुसार समस्त अध्यापक 1 अप्रैल से 30 सितम्बर तक आगमन उपस्थिति प्रातः 7.45 से 8 बजे तक और प्रस्थान दोपहर 2.15 से 2.30 बजे तक लगाएंगे। एक अक्टूबर से 31 मार्च तक आगमन उपस्थिति सुबह 8.45 बजे से सुबह नौ बजे तक और प्रस्थान उपस्थिति 3.15 बजे से 3.30 बजे तक दर्ज कर सकेंगे। एक प्रश्न हमें और शिक्षकों को खुद से भी पूछना चाहिए। यदि पुरानी फिजिकल रजिस्टर वाली व्यवस्था दुरुस्त थी तो प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा की स्थिति ऐसी क्यों है? 2023-24 में 2022-23 की तुलना में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट स्कूलों में छात्रों की संख्या में 24 लाख से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो चौंकाने वाला आंकड़ा है।

2023-24 में इन स्कूलों में छात्रों की संख्या 16784645 थी जो पिछली बार से 24 लाख कम है। यह तब है जब कोरोना काल में घटती आमदनी के चलते सरकारी स्कूलों में छात्रों का पंजीकरण खासा बढ़ा था। घटती संख्या के पीछे मुख्य कारण यह भी है कि शिक्षक पढ़ाने आते ही नहीं। ऐसे में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था इसमें अपेक्षित सुधार ला सकती है। डिजिटल व्यवस्था के विरोध में एक बात और कही जा रही है कि यह ऐप कई बार शिक्षक की लोकेशन स्कूल से अलग कहीं और दिखाता है। डिजिटल दुनिया में शुरुआती समय में कई बार ऐसा होता है लेकिन यह कमी किसी भी ऐप में समय के साथ ठीक की जा सकती है, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था को अव्यावहारिक कह कर नकार देना कतई सही नहीं है। सॉफटवेयर और हार्डवेयर, दोनों स्तरों में लगातार सुधार जारी हैं, वहीं जरूरत के अनुसार नियमों में रियायतें भी दी जा रही हैं। आधे घंटे का 'ग्रेस' इसी दिशा में उठाया गया कदम है।

अगर समग्र रूप से देखें तो किसी भी राज्य की शिक्षा व्यवस्था सीधे हमारे मानव संसाधन के भविष्य से जुड़ाव रखती है, और समय के साथ इसमें बदलाव विकसित भारत के सपने को साकार करने में अहम है। यदि प्रदेश का शिक्षा तंत्र और शिक्षक अपने ध्येय का बखूबी पालन करते हैं, तो इसका सकारात्मक असर सीधे प्रदेश की प्रोडक्टिविटी पर तो होगा ही, वहीं हम बेहतर नागरिकों का निर्माण भी करेंगे। इसे देखते हुए एक समाज के तौर पर हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लेना चालिए। हमें ऐसे शिक्षा के मंदिरों का निर्माण करना है जहां स्कूल में हमारे बच्चों के लिए सभी मूलभूत सुविधाएं हों, शौचालयों की व्यवस्था हो, मिड डे मील के रूप में भोजन की उचित व्यवस्था हो, पक्का स्कूल हो, बैठने के लिए डेस्क हो, कॉपी-किताबें हों और सबसे महत्त्वपूर्ण उचित संख्या में शिक्षक हों, जो विद्यालय में समय से आएं और बच्चों को शिक्षित कर विकसित भारत का निर्माण करने में सहयोग करें जिसके लिए डिजिटल प्रक्रिया क्रांतिकारी कदम है। सभी शिक्षकों को आगे आकर डिजिटल प्रक्रिया का स्वागत करना चाहिए, वहीं प्रदेश सरकार को भी चाहिए कि शिक्षकों की मांग पर ध्यान दे और इस ऐप में सभी व्यावहारिक स्थितियों जैसे कनेक्टिविटी, टैगिंग, जीपीएस लोकेशन संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए जरूरी बदलाव लगातार करे।

-अमित भनोट

मुद्दा : जनसंख्या समस्या और समाधान

जुलाई 12 से 31 तक विश्व में विशेष रूप से हमारे देश में जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा मनाया जा रहा है जिसमें जनसंख्या को बढ़ने से रोकने के लिए जागरूकता रैलियां निकाली जा रही हैं। जनसंख्या वृद्धि की समस्या के समाधान के बारे में विभिन्न राजनीतिक दलों के बयान आए हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह तथा भाजपा बिहार के राज्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाए परंतु एनडीए के घटक दल जदयू के नेता इस बारे में कठोर कानून बनाने का समर्थन नहीं करते क्योंकि उन्हें दलित और मुस्लिम मतदाताओं के बिदकने का भय है। वास्तव में जदयू और टीडीपी जैसे मोदी सरकार के घटक दलों को चिंता है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून का समर्थन करने से उनका मुस्लिम और दलित वोट खिसक सकता है, इसलिए ये दल परिवार नियोजन के लिए जन-जागरूकता पर बल देते हैं। कुछ अति धर्मभीरु और मजहबी लोग बच्चों को अल्लाह की देन समझते हैं। मानते हैं कि अन्न-भोजन देने की जिम्मेदारी अल्लाह ने ले रखी है, इसलिए जनसंख्या को रोकने के लिए कठोर कानून की जरूरत नहीं है परंतु यह तर्क नहीं, कुतर्क है। ऐसा होता तो अफ्रीका आदि क्षेत्रों में लोग भूख से क्यों मरते? निश्चय ही हमारा देश विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। हमने इस मैदान में चीन को भी पछाड़ दिया है, और आज एक अरब 45 लाख से अधिक आबादी का बोझ उठा रहे हैं। बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, कुपोषण तथा अपराध में वृद्धि का एक प्रमुख कारण आबादी में भारी इजाफा भी है। देश में बढ़ती सांप्रदायिकता और घृणा का एक बड़ा कारण भी जनसंख्या में वृद्धि है। बहुसंख्यक हिन्दू आबादी मुसलमानों की बढ़ती आबादी को खतरा मानती है। उनमें से कुछ का यह भी मानना है कि भविष्य में भारत भी पाकिस्तान की भांति इस्लामी राष्ट्र बन सकता है। यद्यपि यह काल्पनिक भविष्याणी है क्योंकि देश में मुसलमानों में भी बच्चों की जन्म दर कम हुई है परंतु हिन्दुओं में यह दर अधिक कम हुई है। कई अदूरदर्शी मौलवी तथा मुस्लिम नेता भी जनसंख्या रोकने के लिए कड़े कानून का विरोध करके हिन्दुओं की आशंका को मजबूत करते हैं। भाजपा सहित संघ परिवार के सभी संगठन तथा उदारवादी मुसलमान जनसंख्या नियंत्रण कानून के पक्षधर हैं परंतु इस तथ्य की भी अवहेलना नहीं की जा सकती कि उच्च और मध्यम वर्ग के हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन के परिवार साधारणतया दो या तीन बच्चों तक सीमित होते हैं क्योंकि उन्हें अपने बालकों को उत्तम शिक्षा दिला कर सफल नागरिक बनाना होता है, उन्हें पौष्टिक भोजन तथा साफ-सुथरा घर और वस्त्र उपलब्ध कराने होते हैं जबकि निम्न वर्ग के लोग चूंकि अशिक्षित या अर्धशिक्षित होते हैं, और उनके लिए मनोरंजन का एकमात्र साधन सैक्स होता है। अतः वे अधिक बच्चे पैदा करते हैं तथा उन्हें उनकी शिक्षा दीक्षा की चिंता नहीं होती अपितु वे अपने आठ दस वर्ष के बालक को किसी ढाबे पर काम पर लगा देते हैं, और बालक आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो जाता है। चूंकि मुसलमान, दलित और आदिवासी ही अधिकतर गरीब और आर्थिक-सामाजिक रूप से पिछड़े होते हैं, इसलिए उनके ही अधिक बच्चे होते हैं। निस्संदेह मोदी सरकार को कठोर जनसंख्या कानून बनाना चाहिए। परंतु कटु सत्य यह भी है कि संसद में ऐसा सख्त कानून पास कराना कठिन होगा क्योंकि मौजूदा संसद में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए कोई कानून पास कराने के लिए उसे सहयोगी दलों विशेष रूप से जदयू और टीडीपी का समर्थन लेना होगा परंतु दोनों दल मुस्लिम और दलित वोटर को दृष्टि में रखते हुए कठोर जनसंख्या नियंत्रण कानून को शायद समर्थन न दें। इसलिए इस कानून को भाजपा शासित प्रदेशों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम, उत्तराखंड, गुजरात, छत्तीसगढ़ आदि की विधानसभाओं में पास कराके सख्ती से लागू कराना होगा। प्रावधान करना होगा कि कानून लागू होने के बाद राशन कार्ड केवल चार व्यक्तियों यानी माता, पिता व दो बच्चों का ही बनेगा और दो बच्चों को जन्म देने के पश्चात पति या पत्नी में से किसी एक को नसबंदी करानी होगी अथवा लिखित में सरकार को आसन देना होगा कि भविष्य में तीसरा बालक पैदा नहीं करेंगे। तीसरा बच्चा पैदा करने वाले माता-पिता को चुनाव लड़ने का अधिकार नहीं होगा। वैसे राजस्थान में कानून है कि दो से अधिक बच्चों वाले माता-पिता को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। केंद्र सरकार को यह कानून तो बनाना ही चाहिए कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रति दिन सुबह, दोपहर और रात्रि में दस सेकंड का परिवार नियोजन से संबंधित सरकार द्वारा तैयार किया हुआ विज्ञापन आवश्यक रूप से दिखाए तथा हर भाषा के दैनिक अखबार को परिवार नियोजन का विज्ञापन अनिवार्य रूप से प्रकाशित करना होगा।

-डॉ. असद रजा

आज का पंचांग

मंगलवार 2024 वर्ष का 198 वां दिन, दिशाशूल उत्तर ऋतु वर्षा। विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946, मास आषाढ़ पक्ष शुक्ल, तिथि दशमी 20.34 बजे को समाप्त।

आज का राशिफल

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है।

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरुआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती है।

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी।

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है।

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी।

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं।

मकर : शनै-शनै स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा।

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते हैं जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें।

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती है। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा।

कक्षा 10वीं के बाद सिविल सर्विस की करना चाहते हैं तैयारी, इस स्ट्रीम से करें आगे की पढ़ाई

10वीं पास करने के बाद अक्सर कैंडिडेट आगे की पढ़ाई किस स्ट्रीम से करें इसके लिए परेशान रहते हैं। कई बार छात्र दसवीं और बारहवीं करने के बाद सिविल सर्विस की तैयारी करने का सोचते हैं ताकि वह अपने करियर को बेहतर बना सके। ऐसे में 10वीं और 12वीं करने के बाद सही स्ट्रीम का चुनाव करना बेहद जरूरी हो जाता है। हालांकि किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए किसी पर्टिकुलर स्ट्रीम की आवश्यकता नहीं होती है।

अगर बात करें मुख्य रूप से सिविल सर्विस तैयारी की आप किसी भी स्ट्रीम को चुनकर भविष्य में आईएएस, आईपीएस अधिकारी बन सकते हैं। लेकिन कुछ स्ट्रीम के सब्जेक्ट ऐसे होते हैं जिसे पढ़कर भविष्य के करियर को मजबूत कर सकते हैं। इस लेख में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप अगर केवल आईएएस और आईपीएस की तैयारी कर रहे हैं तो कौन सी स्ट्रीम बेस्ट साबित हो सकती हैं।

साइंस स्ट्रीम को करें सेलेक्ट

अगर आप फॉरेंसिक साइंस, क्रिमिनोलॉजी जैसे विषयों को पढ़ने और समझने और साइबर सिक्योरिटी जैसे पुलिसिंग के कुछ टेक्निकल फील्ड में स्पेशलाइजेशन हासिल करने की इच्छा रखते हैं, तो आप फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी या मैथेमेटिक्स जैसे विषयों का चयन कर सकते हैं।

आर्ट्स स्ट्रीम का करें चयन

इस स्ट्रीम में छात्रों को इतिहास, पॉलिटिकल साइंस,साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी जैसे विषयों को पढ़ने का अवसर मिलता है। ये सारे विषय सामाजिक मुद्दों, शासन और ह्यूमन नेचर की समझ प्रदान करते हैं। अगर आप कानून प्रवर्तन के फील्ड में काम आ सकता है।

कॉमर्स स्ट्रीम को करें सेलेक्ट

कॉमर्स स्ट्रीम के अकाउंटेंसी, बिजनेस स्टडीज और इकोनॉमिक्स जैसे विषयों की मदद से फाइनेंस और बिजनेस पर फोकस कर सकते हैं। फाइनेंस से जुड़े क्राइम से निपटने या पुलिस बजट को मैनेज करने में ये विषय आपकी मदद कर सकता है।
कौन सी स्ट्रीम हो सकती है बेस्ट
किसी भी स्ट्रीम को सेलेक्ट करने के लिए छात्र के रूचि और पर्सनल च्वाइस पर डिपेंड करता है। सिविल सर्विस अधिकारी कई एजुकेशनल बैकग्राउंड से आते हैं। ऐसे में आपको उस विषय को चुनना चाहिए जिसे पढ़ने में आपको इंटरेस्ट आता है। अगर आप आर्ट स्ट्रीम से ग्रेजुएशन या पीजी करते हैं तो आपको आगे चलकर इन विषयों को समझना बेहद ही आसान होता है।

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में बनाएं अपना कॅरियर

ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट ऐसे रोगियों को दूसरों पर निर्भर हुए बिना अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए स्थिरता और गतिशीलता हासिल करने में मदद करते हैं। कोई भी इस ऑर्थोटिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट कॅरियर का विकल्प चुन सकता है।

ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर होते हैं जो ऑर्थोटिक और प्रोस्थेटिक उपकरणों की योजना बनाते हैं, विकसित करते हैं, फिट करते हैं और संशोधित करते हैं। इन उपकरणों में ऑर्थोस ब्रेसिज, जैसे कृत्रिम हाथ और पैर शामिल हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट विकलांग रोगियों को सहायता प्रदान करते हैं। वे उन्हें कृत्रिम अंगों (प्रोस्थेटिक्स) से जोड़ते हैं और उन्हें स्थिरता हासिल करने में मदद करते हैं। कई बार दुर्घटना में लोगों के हाथ-पैर भी टूट जाते हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट उनके जीवन में सहायक उपकरणों को ठीक करने और गतिशीलता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे हादसों का शिकार हुए इंसान अक्सर आजीवन अपंगता का शिकार हो जाते हैं। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालाँकि वे मूल अंग को वापस नहीं ला सकते हैं, लेकिन वे कृत्रिम अंगों जैसे ऑर्थोटिक ब्रेसिज या ऑर्थोस के साथ उन्हें फिट करके उन्हें स्थिरता प्रदान कर सकते हैं।
प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स कॅरियर के रूप में ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट का कॅरियर सभी के लिए उपयुक्त है चाहे वह लड़का हो या लड़की। विकलांगता से पीड़ित लोगों को अक्सर दूसरों पर आजीवन निर्भरता रहना पड़ता है। ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट ऐसे रोगियों को दूसरों पर निर्भर हुए बिना अपने रोजमर्रा के काम करने के लिए स्थिरता और गतिशीलता हासिल करने में मदद करते हैं। कोई भी इस ऑर्थोटिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट कॅरियर का विकल्प चुन सकता है।
प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में स्नातक उन छात्रों के लिए एक करियर विकल्प है जो फार्माकोलॉजी, विच्छेदन सर्जरी और यहां तक कि ग्राफिकल संचार जैसे विषयों का अध्ययन करना चाहते हैं ताकि लगभग हर डोमेन में रोगियों की मदद की जा सके। इस कोर्स को करने पर छात्रों को किसी भी प्रोस्थेटिक या ऑर्थोटिक बीमारियों वाले रोगियों के इलाज के लिए एक पेशेवर दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बनाया जाता है।
प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स में स्नातक (बीपीओ) पाठ्यक्रम को देश में हो रही चिकित्सा प्रगति के अनुसार डिजाइन किया गया है। यह छात्रों को न्यूरोमस्कुलर और लोकोमोटर विकारों के पुनर्वास उपचार का विस्तृत अध्ययन प्रदान करता है। इतना ही नहीं, यह पाठ्यक्रम छात्रों को शारीरिक कल्याण के क्षेत्र में सक्षमता बनाने में भी मदद करता है।
प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक्स में स्नातक 4 साल का पूर्णकालिक स्नातक पाठ्यक्रम है जिसे तीन महीने प्रोस्थेटिक्स में और तीन महीने ऑर्थोटिक्स के साथ कुल छह महीने के अनिवार्य प्रशिक्षण के साथ पूरा किया जाता है।
पाठ्यक्रम में पढ़ाए जाने वाले कुछ विशेष विषय इस प्रकार हैं-

- जैवयांत्रिकी
- प्रोस्थेटिक साइंस
- ऑर्थोटिक साइंस
- मोबिलिटी एंड रिहैबीलीटेशन एड्स
- विच्छेदन सर्जरी और इमेजिंग विज्ञान
- सहायक तकनीक
- औषध
- ग्राफिकल संचार
- हड्डी रोग

सभी ऑर्थोटिस्ट और प्रोस्थेटिस्ट को ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स में मास्टर डिग्री पूरी करनी चाहिए। मास्टर प्रोग्राम को पूरा होने में आमतौर पर 2 साल लगते हैं। इन कार्यक्रमों में ऊपरी और निचले छोरों के ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स, स्पाइनल ऑर्थोटिक्स और प्लास्टिक निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली अन्य सामग्री शामिल होती हैं। इसके अलावा, ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स कार्यक्रमों में एक नैदानिक घटक होता है जिसमें छात्र एक आर्थोपेडिस्ट या प्रोस्थेटिस्ट के निर्देशन में काम करता है।

पात्रता

- कक्षा 12 वीं की बोर्ड परीक्षाओं में भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और अंग्रेजी विषयों में न्यूनतम 50% अंक प्राप्त करें
- कॉलेजों की उच्च रैंकिंग कट-ऑफ को क्लियर करने के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में अच्छा रैंक प्राप्त करें
- पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं को पास करें

शीर्ष संस्थान

- अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास संस्थान
- राष्ट्रीय लोकोमोटर विकलांग संस्थान, कोलकाता
- क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, तमिलनाडु
- अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज (एयूएस)
- आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी
- चक्रधर पुनर्वास विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर
- ईश्वर प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स संस्थान, चेन्नई

प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के काम

ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स आमतौर पर निम्नलिखित कार्य करते हैं :

- मरीजों की जरूरतों को निर्धारित करने के लिए उनका मूल्यांकन और साक्षात्कार
- रोगी के शरीर के उस हिस्से का माप या छाप लें जहाँ ब्रेस या कृत्रिम अंग लगाया जाएगा
- चिकित्सकों के नुस्खे के आधार पर आर्थोपेडिक और कृत्रिम उपकरणों का डिजाइन और निर्माण करना
- ऑर्थोटिक या प्रोस्थेटिक डिवाइस के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री का चयन करना
- रोगियों को उनके उपकरणों का उपयोग करने और उनकी देखभाल करने का निर्देश देना
- प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक उपकरणों को समायोजित, मरम्मत या या उन्हें बदलना

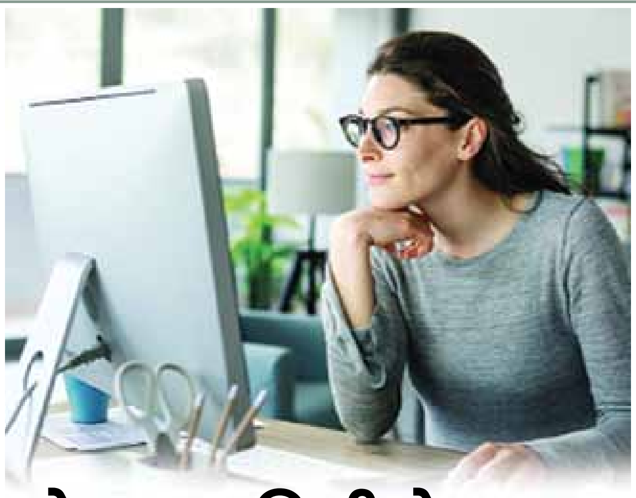

रेगुलर डिग्री के साथ हासिल करें पार्ट टाइम स्किल

कॉलेज में क्लासेज होती हैं दोपहर तक, उसके बाद क्या करें! पर अब आप दोपहर बाद के खाली समय को लेकर परेशान न हों। दिल्ली विश्वविद्यालय के कैम्पस ऑफ ओपन लर्निंग में तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स हैं, जो आपके दोपहर बाद के टाइम को भी सार्थक करेंगे और आपकी जानकारी में भी इजाफा करेंगे।

इन कोर्सों में कुछ बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर से जुड़े हैं तो कुछ पर्सनेलिटी डेवलपमेंट से। ये कोर्स आमतौर तीन से छह माह तक की अवधि के हैं। इन कोर्सों को रेगुलर कोर्स की पढ़ाई करने के साथ-साथ किया जा सकता है।

कोर्स के रंग

केशवपुरम स्थित सेंटर में विश्वविद्यालय ने विभिन्न उद्योगों की मदद से शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए हैं। फिलहाल पांच कोर्सेज में दाखिले की प्रक्रिया जारी है। कोर्स हैं- टेलीकॉम, इंश्योरेंस, सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट, हॉस्पिटेलिटी और सॉफ्ट स्किल।
टेलीकॉम - टेलीकॉम का कोर्स भारती ग्रुप के सेंटम लर्निंग की मदद से चलाया जा रहा है। छह माह के इस कोर्स में दो माह की इंटर्नशिप है। कोर्स में कस्टमर रिलेशनशिप, कस्टमर सर्विस और टीम वर्क जैसी चीजें शामिल हैं।
इंश्योरेंस - इंश्योरेंस का कोर्स मेटलाइफ के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसमें जीवन बीमा और वित्तीय मामलों की जानकारी दी जाती है। विभिन्न तरह के प्रोडक्ट्स और उनके इस्तेमाल के बारे में बताया जाता है। यह कोर्स तीन माह का है, जिसमें एक माह इंटर्नशिप है। इसकी फीस दस हजार रखी गई है।
सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट- सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट विशेष तौर पर स्नातक पास या स्नातक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए है। इसमें दाखिला प्रवेश परीक्षा के जरिए होता है। कोर्स में दाखिला पाते ही छात्र को नियुक्ति पत्र भी दिया जाता है, ताकि कोर्स पूरा होते ही छात्र कंपनी के साथ काम कर सके। यह कोर्स बैंक और फाइनेंस सेक्टर में काम के लिहाज से तैयार किया गया है। सीटें 25 हैं और फीस 18 हजार है। कोर्स की अवधि साढ़े तीन माह है। यह हीरो माइंड माइन कंपनी के सहयोग से चल रहा है। इसमें बैंक की जानकारी, बिजनेस कम्युनिकेशन और कम्युनिकेशन और सेलिंग स्किल की जानकारी दी जाएगी।
सॉफ्ट स्किल - सॉफ्ट स्किल में अंग्रेजी कम्युनिकेशन, कॉरपोरेट एप्टीटयूड, साक्षात्कार का सामना करने के हुनर सिखाए जाते हैं। हॉस्पिटेलिटी का कोर्स होटल उद्योग और अन्य सर्विस सेक्टर में कुशल कर्मचारी तैयार करने को लेकर तैयार किया गया है। सेल्स एंड रिलेशनशिप मैनेजमेंट को छोड़ कर अन्य सभी कोर्सेज में प्रवेश के लिए 12वीं पास होना अनिवार्य है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

इन कोर्सों में दाखिला पाने वाले छात्रों को पढ़ाई के दौरान ऑन हैंड ट्रेनिंग भी दी जाती है। संस्थान में आधुनिक लैब भी तैयार की गई है। कक्षाएं आमतौर पर सप्ताह में तीन दिन दो-दो घंटे चलेंगी। कोर्स पूरा होने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय और संबंधित संस्थान संयुक्त रूप से सर्टिफिकेट प्रदान करते हैं। ये कोर्स छात्रों की सहूलियत के मुताबिक चलाए जाते हैं। अगर किसी को सुबह की पाली में क्लास करने में परेशानी है तो वह दूसरी पाली यानी दोपहर बाद भी क्लास कर सकता है।

सीखें कहने की कला

अपनी बात कहने से पहले दूसरों की बात गौर से सुनें-गुनें और उनकी उम्मीदों-अपेक्षाओं को समझें, ताकि जब आपके कहने की बारी आए, तो दूसरे भी आपकी बातों को ध्यान से सुनें और प्रभावित हों। जॉब सर्च, इंटरव्यू या नौकरी के दौरान अपनी बात से दूसरों को मुरीद बनाने की कम्यूनिकेशन स्किल के टिप्स दे रहे हैं मोटिवेटर।

अच्छे वक्ता वे होते हैं, जो बोलते हैं तो लोग ध्यान से सुनते हैं। आज स्थिति यह है कि आप अपनी बात को कितने प्रभावशाली ढंग से रखते हैं, उसी पर आपको करियर या जीवन के किसी भी क्षेत्र में मिलने वाली कामयाबी निर्भर करती है। जरा सोचिए, आप किसी मंच पर अपनी बात रख रहे हैं, तो लोग उसे क्यों सुनना चाहेंगे? अगर आप वहां उपस्थित लोगों की मन:स्थिति, उनकी रुचियों, अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित विषय को जोड़ेंगे, तभी लोग उससे प्रभावित होंगे। आप चाहे जितनी हायर स्टडी कर लें या तकनीकी ज्ञान हासिल कर लें, जब तक उसके बारे में लोगों को अच्छी तरह बताने की कला में पक्के नहीं हो जाते, तब तक लोग आपके ज्ञान से कतई प्रभावित नहीं हो सकते। इसलिए जितना जरूरी ज्ञान प्राप्त करना है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी अपनी कम्यूनिकेशन स्किल विकसित करना है। अगर आप एक बार कहने की कला में पारंगत हो गए, तो चाहे पब्लिक स्पीकिंग हो या फिर इंटरव्यू या ग्रूप डिस्कशन या फिर मार्केटिंग फील्ड में अपने क्लाइंट को प्रभावित करना हो, हर जगह आप कामयाबी हासिल कर सकते हैं।

होमवर्क जरूरी

अगर आप किसी संस्थान में जॉब हासिल करना चाहते हैं, तो वहां अप्लाई करने से पहले या साथ-साथ उसके बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी जुटाने का प्रयास करें। मसलन यह कि कंपनी क्या काम करती है, मार्केट में उसकी छवि कैसी है, वहां के लोगों को मार्केट में कितना आदर-सम्मान दिया जाता है आदि। यह सब जानने के बाद ही आप इंटरव्यू के दौरान वहां के एचआर को बता सकते हैं कि आप वहां के लिए कितने उपयोगी हो सकते हैं। 90 फीसद से ज्यादा उम्मीदवार ऐसा नहीं करते। ऐसे में इंटरव्यू के वक्त जब उनसे पूछा जाता है कि आप संस्थान की तरक्की में किस तरह का योगदान दे सकते हैं, तो उम्मीदवारों के पास तार्किक जवाब नहीं होता। फिर वे जो भी जवाब देते हैं, उसकी कोई अहमियत नहीं रह जाती। अगर कंपनी के बारे में आपको जानकारी है, तो आप आत्मविश्वास के साथ अपनी बात कह सकते हैं।

तोल-मोल कर बोलें

जब कभी इंटरव्यू के लिए जाएं, तो अपने रेज्यूमे में लिखी बातों का ध्यान रखें। अपने बारे में वही बताएं, जो आपने रेज्यूमे में पहले लिखकर भेजा है। इंटरव्यू के दौरान पूरी विनम्रता से, मीडियम टोन में अपनी बात रखें। न तो इतनी जोर से बोलें कि आपकी आवाज कमरे से बाहर तक सुनाई दे और न ही इतना धीमे बोलें कि सामने वाले लोग आपकी बात सुन ही न पाएं। अगर आपकी आवाज कर्कश, बेसुरी है, तो संगीत साधना की तरह घर पर इसे विनम्र-मधुर बनाने का रियाज करें। आगे आपको हर जगह इसका फायदा मिलता नजर आएगा।

सुनें ज्यादा, बोलें कम

इंटरव्यू या क्लाइंट मीटिंग के दौरान बीच में बोले बिना सामने वाले की बातों को गौर से सुनें। उनकी बात खत्म होने के बाद दस सेकंड सोचें और अपनी सूझ-बूझ का परिचय देते हुए विनम्रता से जवाब दें या अपनी बात रखें। एक बार जो बोलें, उसे बदलें नहीं। न ही किसी बात पर उत्तेजित हों।

युवराज , हरभजन और रैना तौबा तौबा गाने पर डांस करते नजर आये

बर्मिंघम। इंडिया चैंपियंस टीम के कप्तान युवराज सिंह के अलावा दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और बल्लेबाज सुरेश रैना पूर्व क्रिकेटरों के टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 के फाइनल में पाकिस्तान चैंपियंस पर मिली जीत के बाद तौबा तौबा गाने पर डांस कतरे नजर आ रहे हैं। हरभजन ने इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है। हरभजन ने वीडियो के साथ लिखा, टूर्नामेंट के 15 दिनों के दौरान बॉडी की तौबा तौबा हो गई। बॉडी का हर हिस्सा दुख रहा है। विक्की कौशल और करण औजला जैसे भाइयों से हमारा सीधा मुकाबला है। तौबा तौबा का हमारा वर्जन देखो। क्या सॉन्ग है।

बर्मिंघम के मैदान पर विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान चैंपियंस ने पहले खेलते हुए 156 रन ही बनाये। पाक की ओर से शोएब मलिक ने 41 रन बनाए। वहीं भारतीय टीम की ओर से अनुरीत सिंह ने 43 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए इंडिया चैंपियंस टीम ने अंबाति रायुडू के अर्धशतक और गुरकीरत और युसूफ पठान की अहम पारियों की सहायता से अंतिम ओवर में जीत दर्ज की। इस मैच में भारतीय पूर्व क्रिकेटरों की टीम इंडिया चैंपियंस की कप्तानी युवराज सिंह कर रहे थे।

भज्जी ने ऐसा क्या कहा कि जो पाकिस्तानियों को चुभ सकता है

नई दिल्ली। पाकिस्तान में फरवरी माह में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की भागीदारी पर पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह ने बयान दिया है। भज्जी ने कहा कि अगर भारत अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस नहीं करता है, तब वह उन्हें पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं, पाकिस्तान आगे बढ़ सकता है और भारत के बिना ही टूर्नामेंट को आगे बढ़ा सकता है। एक वीडियो में हरभजन ने कहा कि यदि हमारे खिलाड़ी पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं हैं, हम टीम नहीं भेज सकते है। यदि आप खेलना चाहते हैं, खेलें, यदि नहीं, न खेलें। भारतीय क्रिकेट पाकिस्तान के बिना भी जीवित रह सकता है। यदि आप लोग भारतीय क्रिकेट के बिना जीवित रह सकते हैं, तब ये करके देख ले। भज्जी ने यह बात पाकिस्तानियों को चुभ सकती है।

बीते दिनों खबर आई थी कि बीसीसीआई पाकिस्तान टीम भेजने पर विचार कर रहा है। लेकिन इसके बाद ही बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला का बयान आया। उन्होंने विषय पर उठ रही तमाम अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की है। शुक्ला ने कहा कि हमें नहीं पता कि किस स्रोत ने ऐसी जानकारी दी। बीसीसीआई ने इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

बता दें कि 2008 के एशिया कप के बाद टीम इंडिया ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। समय के

साथ दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। इनके बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से, आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप ही इसतरह के आयोजन हैं जहां प्रशंसकों को कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच मैच देखने को मिलता है। अगर भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी से हटती है, तब श्रीलंका उनकी जगह लेगा, जो 2023 वनडे विश्व कप स्टैंडिंग में 9वें स्थान पर रहा था। पिछले साल, पाकिस्तान के पास एशिया कप 2023 की मेजबानी का अधिकार था लेकिन भारत सरकार ने टीम को यात्रा करने की मंजूरी नहीं दी और उनके मैच श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए गए।

इस मामले में अभिषेक शर्मा भारत के लिए पहले खिलाड़ी बने

हरारे। अभिषेक शर्मा ने जिम्बाब्वे के दौरे में भारत के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया। टी20 सीरीज के पहले मैच में अभिषेक का खाता नहीं खुला। खराब सीरीज के बाद अभिषेक ने अगले ही दिन दूसरे मैच में शतक ठोक दिया। अभिषेक ने सिर्फ 46 गेंदों पर अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला शतक लगा दिया था। वे इस फॉर्मेट में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के 10वें बल्लेबाज बने थे। अभिषेक बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज भी हैं। अंडर-19 क्रिकेट में अभिषेक ऑलराउंडर की भूमिका में नंबर-5 और 6 पर खेला करते थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में चार मैचों में अभिषेक ने गेंदबाजी की है। लेकिन उन्हें पहली सफलता चौथा मैच में मिली। भारत को पहली सफलता अभिषेक शर्मा ने ही दिलाई थी। उनकी गेंद पर तदिवानाशे मरुमानी ने रिंकू सिंह के हाथ में शॉट खेल

दिया था।

अभिषेक एक ही सीरीज में भारत के लिए शतक बनाने और विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले भारत के लिए 9 बल्लेबाजों ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक ठोके हैं। इसमें सुरेश रैना, रोहित शर्मा, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, विराट कोहली, यशस्वी जायसवाल, रुतुराज गायकवाड़, दीपक हुड्डा और शुभमन गिल का नाम शामिल है। लेकिन इसमें से कोई भी उस सीरीज में विकेट नहीं ले सका, जिसमें शतक लगाया था। महिला क्रिकेट में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर एक ही सीरीज में शतक लगाने के साथ ही विकेट लेने का कारनामा कर चुकी हैं। उन्होंने 2018 टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। इसके बाद आयरलैंड के खिलाफ मैच में भारतीय कप्तान को एक विकेट मिला था। अब पुरुष क्रिकेट में अभिषेक ऐसा करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

मैच फिक्सिंगः 24 साल बाद आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय करने का आदेश

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली की अदालत ने 2000 में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच फिक्सिंग के आरोप में करीब 24 साल बाद चार लोगों पर आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय करने का आदेश दिया है। अडिशनल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा प्रिया ने राजेश कालरा, टी-सीरीज कंपनी के कृष्ण कुमार, सुनील दारा और संजीव चावला के खिलाफ आदेश दिया। अदालत ने अपने सामने पेश किए सबूतों का जिक्र कर कहा कि घटनाओं की कड़ी, बातचीत का रिकॉर्ड, आचरण और आसपास के हालात से पता चलता है कि कालरा, कुमार और दारा चावला द्वारा हेंसी क्रोनी (मृतक और एक आरोपी) के साथ किए गए सौदों में शामिल थे और इससे यह अनुमान निकलता है

कि वे मिलीभगत से काम कर रहे थे और वित्तीय लाभ के लिए क्रिकेट मैच फिक्सिंग के मुख्य उद्देश्य में सह-भागीदार थे।

अदालत ने 11 जुलाई को पारित अपने आदेश में नतीजा निकाला कि चारों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के साथ पठित धारा 120 बी (आपराधिक साजिश) और धारा 120 बी के तहत अपराध के लिए आरोप तय करने के लिए रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री थी। कॉल इंटरसेप्ट के ट्रांसक्रिप्ट की जांच करते हुए, अदालत ने कहा कि ये पता चलता है कि इस दौरान, उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच मैचों की एक सीरीज में अगले आगामी मैच के लिए टीम संरचना पर चर्चा की (आरोपी चावला द्वारा क्रोनी से प्राप्त जानकारी के आधार पर), हेंसी क्रोनी के साथ सहमत फिक्स्ड टीम स्कोर/ व्यक्तिगत स्कोर, दांव पर लगाने वाली राशि,पैसे की पूलिंग, अगर खिलाड़ी तय योजना के अनुसार प्रदर्शन नहीं करते हैं, तब उनका अंतर, बेटिंग/मैच फिक्सिंग आदि के दौरान पैसे का लेनदेन।

अदालत ने कहा कि यह कहावत कि सच्चाई कल्पना से भी परे होती है, क्रिकेट के मामले में किसी भी अन्य खेल की तुलना में अधिक सच है और खेल के बारे में केवल एक चीज अनुमानित थी, वह थी उसकी अप्रत्याशितता। वास्तव में, क्रिकेट की इतनी चौंका देने वाली लोकप्रियता के कारणों में से एक अनिश्चितता का तत्व और विशेषज्ञों द्वारा भी परिणामों की भविष्यवाणी की कमी है।

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 145 , निफ्टी 84 अंक ऊपर आया

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बैंकिंग शेयरों में खरीददारी बढ़ने और विदेशी कोषों के प्रवाह से बाजार में ये उछाल आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 145.52 अंक करीब 0.18 फीसदी ऊपर आकर 80,664.86 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.55 अंक तकरीबन 0.35 फीसदी बढ़कर 24,586.70 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। दिन के दौरान, यह 132.9 अंक करीब 0.54 फीसदी बढ़कर 24,635.05 के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एसबीआई, एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम और

आईटीसी सेंसेक्स के शीर्ष-5 सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, मारुति, इंडसइंड बैंक, कोटक बैंक, एचसीएल टेक, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, एलएंडटी और रिलायंस के शेयर भी बढ़ें हैं।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 12 शेयर नुकसान में रहे। एशियन पेंटर्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, जेएसडब्ल्यू स्टील और टेक महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इसके अलावा टीसीएस, इंफोसिस, नेस्ले इंडिया, टाइटन, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एचयूएल के शेयर नीचे आये।

वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल और शंघाई ऊंचे स्तर पर पहंचे जबकि हांगकांग का बाजार गिरा है। यूरोपीय बाजार भी नीचे आये हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने शुक्रवार को 4,021.60 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में उछाल आया। इस दौरान निफ्टी अपने नए सर्वकालिक शीर्ष स्तर पर पहुंच गया जबकि सेंसेक्स 290 अंक उपर आया। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर में तीन फीसदी से अधिक की तेजी आई।

देश का निर्यात जून में 2.56 फीसदी बढ़कर 35.20 अरब डॉलर पर

जून महीने में देश का व्यापार घाटा 20.98 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश के वस्तुओं का निर्यात जून में 2.56 फीसदी बढ़कर 35.20 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। पिछले साल इसी महीने में निर्यात 34.32 अरब डॉलर रहा था। वहीं, जून में कुल वस्तुओं और सेवाओं का संयुक्त निर्यात 65.47 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। जून 2024 के लिए कुल आयात (वस्तुओं और सेवाओं) 73.47 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो जून 2023 की तुलना में 6.29 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि को दर्शाता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि पिछले साल इसी महीने में निर्यात 34.32 अरब डॉलर रहा था। जून में आयात करीब पांच फीसदी बढ़कर 56.18 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले साल की सामान अवधि में 53.51 अरब डॉलर था। इस तरह जून में व्यापार घाटा (आयात और निर्यात का अंतर) 20.98 अरब

डॉलर रहा।मंत्रालय के मुताबिक जून 2024 के लिए भारत के कुल (वस्तुओं और सेवाओं) का संयुक्त निर्यात 65.47 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो जून 2023 की तुलना में 5.40 फीसदी की सकारात्मक वृद्धि है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने निर्यात के आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि मौजूदा रुख को देखते हुए देश के वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 800 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकता है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात करीब 200 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान निर्यात 5.84 फीसदी बढ़कर 109.96 अरब डॉलर और आयात 7.6 फीसदी बढ़कर 172.23 अरब डॉलर रहा है। गौरतलब है कि मई में देश के वस्तुओं का निर्यात 9.1 फीसदी बढ़कर 38.13 अरब डॉलर रहा था, जबकि व्यापार घाटा बढ़कर सात महीने के उच्चतम स्तर 23.78 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

जोमैटो ने चुनिंदा शहरों में अपने प्लेटफॉर्म शुल्क में किया इजाफा

नई दिल्ली)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच जोमैटो लिमिटेड ने अपने प्लेटफॉर्म शुल्क में 20 फीसदी का इजाफा किया है। जोमैटो ने राजधानी दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में प्रत्येक ऑर्डर पर लिए जाने वाले शुल्क को पांच रुपये से बढ़ाकर 6 रुपये कर दिया है। हालांकि, स्विगी ने अपने शुल्क में बढ़ोत्तरी को वापस ले लिया है। खानपान उत्पादों की ऑनलाइन मंच जोमैटो के प्रतिद्वंदी स्विगी ने एक दिन पहले अपने शुल्क में की गई बढ़ोत्तरी सोमवार को वापस ले ली। कंपनी के एप पर उपलब्ध सूचना के मुताबिक अब स्विगी एक ऑर्डर पर पहले की तरह पांच रुपये का प्लेटफॉर्म शुल्क ले रही है। हालांकि, इस बढ़ोत्तरी की वजह के बारे में जोमैटो और स्विगी दोनों

ने कोई प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि दोनों ही ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनियों ने पिछले साल पहली बार अपने मंच के जरिए दिए जाने वाले ऑर्डर पर शुल्क लगाया था। पहले यह शुल्क दो रुपये प्रति ऑर्डर था जिसे धीरे-धीरे बढ़ाया गया है। दरअसल इस खंड में इन दोनों कंपनियों का ही दबदबा है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर 2.99 फीसदी की तेजी के साथ 229.10 पर बंद हुआ है।

रुपया चार पैसे गिरकर 83.55 डॉलर पर

मुंबई। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.55 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी के प्रवाह से रुपये को समर्थन मिला और गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैसे की बढ़त के साथ 83.53 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.55 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.51 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.11 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.21 पर रहा।

सोना 73,150 और चांदी 92,850 रुपए के करीब

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत सुस्त रही। दोनों के वायदा भाव सोमवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 73,150 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,850 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की भी शुरुआत सुस्त रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 164 रुपये की गिरावट के साथ 73,105 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 126 रुपये की गिरावट के साथ 73,143 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत आज सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 206 रुपये की गिरावट के साथ 92,903 रुपये पर खुला। इस समय यह 267

रुपये की गिरावट के साथ 92,842 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2419.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,420.70 डॉलर प्रति औंस था। फिलहाल यह 6.60 डॉलर की गिरावट के साथ 2,414.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.10 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.16 डॉलर था। इस समय यह 0.08 डॉलर की गिरावट के साथ 31.08 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

त्रिशा कृष्णन की क्राइम-थ्रिलर सीरीज बृंदा का टीजर रिलीज

साउथ इंडियन फिल्मों में अपनी एक्टिंग के झंडे गाड़ने के बाद अब तृषा कृष्णन भी ओटीटी का रुख कर रही हैं. उनकी वेब सीरीज जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है. जिसके बाद तृष्णा कृष्णन भी उन सितारों की लिस्ट में शामिल हो जाएंगी जो बड़े पर्दे के बिग स्टार होने के बाद ओटीटी में आए हैं. तृषा कृष्णन बृंदा नाम की वेब सीरीज के साथ ओटीटी पर दिखाई देंगी. ये एक क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज बताई जा रही है. जिसके प्रोडक्शन का काम पिछले एक साल से जारी था. अब वेब सीरीज की रिलीज डेट का अनाउंसमेंट हो चुका है. फिल्म ट्रेड एनालिस्ट क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज की रिलीज डेट बताई है. उन्होंने इस बारे में ट्वीट कर जानकारी दी है. जिसके मुताबिक तृषा कृष्णन की वेब सीरीज आने वाले 2 अगस्त को रिलीज होगी. ये वेब सीरीज तृषा कृष्णन के फैंस सोनी लिव पर देख सकते हैं. इसके साथ ही

क्रिस्टोफर कंगराज ने वेब सीरीज के टीजर का वीडियो भी शेयर किया है. जिसे देखकर ये अंदाजा लगाया जा सकता है कि वेब सीरीज एक क्राइम थ्रिलर है. जिसमें तृषा कृष्णनन पुलिस की वर्दी पहनी दिखाई देंगी. उनके अलावा बृंदा वेब सीरीज में साई कुमार, अमानी, इंद्रजीत सुकुमारन, रविंद्र विजय और दूसरे सपोर्टिंग एक्टर्स भी नजर आएंगे. तृषा कृष्णन की ये पहली वेब सीरीज एक साथ बहुत सी भाषाओं में रिलीज होगी. इसे तेलुगू, कन्नड़, हिंदी, तमिल, मराठी, मलयालम और बंगाली भाषा में रिलीज करने की तैयारी है. वेब सीरीज को डायरेक्ट किया है सूर्या मनोज वंगाला ने. अब तक मिली जानकारी के अनुसार वेब सीरीज आंध्र प्रदेश के एक केस से जुड़ी होगी. वेब सीरीज में कुछ लोक कथाओं से जुड़ा तड़का भी लगाया गया है. हालांकि ये कंफर्म नहीं है कि वेब सीरीज किसी रियल इंसिडेंट पर बेस्ड है या एक काल्पनिक क्राइम थ्रिलर है. वेब सीरीज की रिलीज डेट नजदीक आते आते उससे जुड़े और भी दिलचस्प खुलासे हो सकते हैं.

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा का पहले ही दिन हाल-बेहाल

इंडियन 2 ने किया कमाल

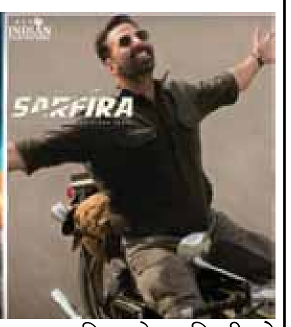

अभिनेता अक्षय कुमार पिछले काफी समय से फिल्म सरफिरा को लेकर चर्चा में थे। उनकी इस फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, वहीं अक्षय के अभिनय की भी चारों ओर तारीफ हो रही है।बावजूद इसके सिनेमाघरों में पहले दिन उनकी इस फिल्म को दर्शक नसीब नहीं हुए। फिल्म की कमाई के पहले दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो उम्मीद के मुताबिक काफी कम हैं। सैकनिल्क के मुताबिक सरफिरा ने रिलीज के पहले दिन महज 2.40 करोड़ की कमाई की है। हालांकि ये शुरुआती आंकड़े हैं। आधिकारिक आकड़ों में थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है।यह कमाई काफी निराशाजनक इसलिए है, क्योंकि फिल्म का बजट करीब 85 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।इस लिहाज से फिल्म का पहले दिन का बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन काफी खराब है। 5-7 करोड़ रुपये अगर यह फिल्म कमाती तो इसका कलेक्शन ठीक माना जाता। अक्षय पिछले काफी समय से एक अदद हिट को तरस रहे हैं। इस साल आई उनकी 350 करोड़ी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी।ऐसे में सरफिरा से हर किसी को बड़ी उम्मीदें थीं। अक्षय ने भी फिल्म के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी थी, लेकिन सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद सरफिरा पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर फुस्स नजर आई।हालांकि, उम्मीद है कि वीकेंड में फिल्म की कमाई बढ़ेगी। सरफिरा महाराष्ट्र के अंदरूनी गांव में रहने वाला स्कूल मास्टर का बेटा वीर जनार्दन म्हात्रे (अक्षय कुमार) की कहानी है, जो कम लागत वाली एयरलाइंस शुरू करने के इरादे से एयरफोर्स की नौकरी से इस्तीफा दे चुका है। उसे 24 बैंक ऋण देने से इनकार कर चुके हैं। वीर अपने दो दोस्तों के साथ एयरलाइंस खोलने को लेकर प्रयासरत है।परेश रावल और राधिका मदान भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।फिलम में परेश भी काफी तारीफ हो रही है। सिनेमाघरों में 12 जुलाई को कमल हासन की बहुप्रतीक्षित फिल्म इंडियन 2 भी रिलीज हुई है। यह कमल हासन की ही 1996 में आई फिल्म इंडियन का सीक्वल है। रकुल प्रीत सिंह भी इसका हिस्सा हैं।इंडियन 2 ने रिलीज के पहले जिन 25.6 करोड़ रुपये कमाए हैं। मतलब यह कि कमल, बॉक्स ऑफिस पर अक्षय से आगे निकल गए हैं और उनकी इंडियन 2 ने कमाई के मामले में सरफिरा को कोसों दूर छोड़ दिया है।

कांतारा चैप्टर 1 पर आया बड़ा अपडेट, फिल्म में मशहूर अभिनेता जयराम की हुई एंट्री

कांतारा साल 2022 की बेहद चर्चित और सफल फिल्म रही थी। फिल्म से ऋषभ शेट्टी रातों-रात पूरे देश में मशहूर हो गए थे। फिल्म का निर्देशन और लेखन के साथ-साथ उन्होंने मुख्य किरदार भी निभाया था। भारतीय लोक कथाओं पर आधारित इस फिल्म को काफी तारीफें मिली थीं। ऋषभ शेट्टी फिलहाल कांतारा- चैप्टर 1 को

लेकर व्यस्त हैं। वह इस फिल्म को पहले भाग से अधिक भव्य और बेहतरीन बनाने में कोई कसर छोड़ना नहीं चाहते। पिछले साल मेकर्स के तरफ से इसकी एक झलक भी जारी की गई थी, जिसके बाद दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे। टीजर से यह साफ दिख रहा था कि मेकर्स इसे और भी ज्यादा भव्य बनाना चाहते हैं। इस वजह से इस बार फिल्म का बजट भी काफी ज्यादा बढ़ा दिया गया है। अब खबरें आ रही हैं कि कांतारा- चैप्टर 1 में एक बड़े स्टार को शामिल किया गया है। पोट्र्स के मुताबिक, कांतारा- चैप्टर 1 में मलयालम फिल्मों के स्टार अभिनेता जयराम भी नजर आने वाले हैं। उन्होंने कर्नाटक में फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाले हैं। बता दें कि जयराम साउथ फिल्मों के जाने माने कलाकार हैं। हाल में ही वह सुपरस्टार महेश बाबू की फिल्म गुंटूर कारम में नजर आए थे। कांतारा- चैप्टर 1 से जयराम के जुड़ने की खबर तेजी से फैल रही है। उनके फैंस इस से काफी उत्साहित हैं। बताते चलें कि कांतारा 30 सितंबर 2022 को कर्नाटक में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसकी सफलता को देखते हुए इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया गया। डबिंग के बाद फिल्म 14 अक्टूबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को दर्शकों का जबर्दस्त प्यार मिला। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी काफी अच्छा कारोबार किया था। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक, 16 करोड़ में बनी फिल्म ने 400 करोड़ के आसपास की कमाई की थी। फिल्म की कई सितारों और समीक्षकों ने भी सराहना की थी।

मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा सेल्फ-वैलिडेशन: ट्विंकल अरोड़ा

उड़ारियां में नेहमत का रोल अदा करने वाली एक्ट्रेस ट्विंकल अरोड़ा ने बताया कि वह पहले दूसरों से वैलिडेशन चाहती थीं, लेकिन अब उन्होंने सेल्फ-वैलिडेशन की पावर को जान लिया है. ट्विंकल ने कहा, वैलिडेशन (अपने बारे में किसी की राय लेना) मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा रहा है. मैं एक ऐसी इंसान थी जिसे कई जगहों पर दूसरों की राय की जरूरत थी, लेकिन समय के साथ मैंने सीखा है कि खुद को मान्यता देना ही सबसे बड़ी सीख है. अगर किसी को कोई दूसरा वैलिडेट नहीं करता, तो इस पर निराश नहीं होना चाहिए. यह कहना आसान है, लेकिन इसमें महारत हासिल करने के लिए काफी कोशिश की जरूरत है, जो मैं कर रही हूं. उन्होंने आगे कहा, मैं एक ऐसी शख्स हूं जो मौज-मस्ती करना पसंद करती है और उसे बस सही कंपनी की जरूरत होती है. एक्ट्रेस का कहना है कि वह अलग-अलग लोगों के सामने अपना अलग-अलग साइड दिखाती हैं और जब वह अकेली होती हैं तो वह बिल्कुल अलग होती हैं. क्ट्रेस ने कहा, जब कोई नहीं देख रहा होता है, तो हम बस अपने आप में होते हैं. कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो कोई भी लोगों के सामने कभी नहीं करता, लेकिन अकेले में करता है. उदाहरण के लिए, मैं घर पर अकेले बैठकर कभी भी चम्मच से नहीं खाती, लेकिन जब मैं किसी ग्रुप में होती हूं, तो मुझे इससे खाना पड़ता है. ट्विंकल ने कंफर्ट जोन के बारे में भी बात की और कहा कि आगे बढ़ने के लिए इससे बाहर निकलना जरूरी है. उन्होंने कहा, एक कहावत है, आगे बढ़ा तभी जा सकता है जब आप अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलते हैं. मुझे लगता है कि हमें समय के साथ अपने कंफर्ट जोन को बदलते रहना चाहिए। एक बार जब हम सहूलियत के दायरे से बाहर निकल जाते हैं, तो हम जिस नए जोन में आते हैं, वह भी हमारा कंफर्ट जोन बन जाता है.

स्टाइलिश आउटफिट पहन हुमा कुरैशी ने लगाया ग्लैमर का तड़का

सोशल मीडिया पर छा गई फोटोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों को इस कदर दीवाना किया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने लेटेस्ट इंडो-वेस्टर्न आउटफिट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। अपनी एक्टिंग से ज्यादा खूबसूरती को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका स्टाइलिश अंदाज सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस फिदा हो गए हैं। फोटोशूट के दौरान हुमा कुरैशी ने बेहद ही स्टाइलिश लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड गॉर्जियस लग रही हैं। हुमा कुरैशी ने कानों में इयररिंग्स और साथ ही ग्लोइंग मेकअप कर के अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है। बता दें कि हुमा कुरैशी महारानी वेब सीरीज के साथ, मोनिका ओ माई डार्लिंग में भी नजर आ चुकी हैं, जिसमें वो गजब की सुंदर लग रही हैं। हुमा कुरैशी सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग भी इंस्टा पर बेहद जबरदस्त है।

फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आएंगे संजय दत्त, कॉमेडी का होगा जबरदस्त डोज

संजय दत्त का नाम बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिनकी दीवानगी प्रशंसकों के सिर चढ़कर बोलती है। आज भी ऐसे कई प्रशंसक हैं, जो संजू बाबा का दीदार करने के लिए कुछ भी कर गुजरते हैं।उनकी फिल्मों को लेकर भी दर्शक बराबर उत्साहित रहते हैं। अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक संजय के प्रशंसकों का दिल बाग-बाग हो जाएगा।दरअसल, वह हाउसफुल फ्रैंचाइजी के 5वें भाग हाउसफुल 5 से जुड़ गए हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने एक्स पर यह जानकारी दी है। उन्होंने संजू के साथ अपनी एक तस्वीर साझा कर लिखा, अभी तक फिल्म में संजय के होने और ना होने की अटकलें की लगाई जा रही थीं और अब आखिरकार उनकी

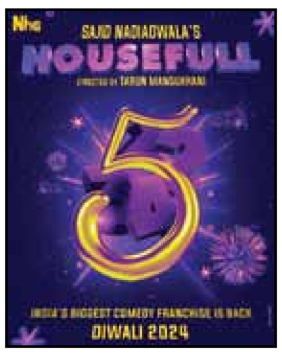

मौजूदगी पर निर्माता की पक्की मोहर लग गई है। कोई शक नहीं कि संजय अपनी शानदार कॉमेडी से फिल्म को एक अलग ही स्तर पर ले जाएंगे।हाउसफुल की फैन फॉलोइंग तगड़ी है। शायद इसलिए तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बन रही हाउसफुल 5 का प्रस्ताव जब उन्हें मिला तो उन्होंने मौके पर चौका मारने में देर नहीं लगाई। हाउसफुल फ्रैंचाइजी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर जलवा रहा है। हाउसफुल और हाउसफुल 2 का निर्देशन साजिद खान ने किया था। हाउसफुल 3 का निर्देशन फरहाद सामजी और साजिद ने मिलकर किया, वहीं हाउसफुल 4 के निर्देशक फरहाद थे।हाउसफुल फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म 2010, दूसरी 2012, तीसरी 2016 और इसकी चौथी किस्त 2019 में आई थी।पिछली फिल्म हाउसफुल 4 75 करोड़ रुपये में बनी थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 296 करोड़ रुपये की कमाई की थी। संजय को मिथुन चक्रवर्ती, जैकी श्रॉफ और सनी देओल के साथ फिल्म बाप में देखा जाएगा। इस फिल्म के जरिए 90 के दशक के 4 सुपरस्टार एक साथ आ रहे हैं।

आनंद एल राय ने किया नई फिल्म नखरेवाली का ऐलान, रिलीज तारीख से भी उठा पर्दा

बॉलीवुड के जाने-माने डायरेक्टर और प्रोड्यूसर आनंद एल राय को हिंदी सिनेमा में रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। आनंद ने राझणा, तनु वेड्स मनु, रक्षाबंधन, अतरंगी रे और जीरो जैसी फिल्मों का निर्मा-निर्देशन किया है अब एक बार फिर आनंद एल राय एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इस मूवी का नाम है नखरेवाली, जिसका एलान बीते साल हुआ था और अब फिल्म को रिलीज करने की तैयारी शुरू हो गई है। फिल्म की निर्माता कम्पनी जियो स्टूडियोज और अ कलर येलो प्रोडक्शन ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर नखरेवाली का नया पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा किया।

ये फिल्म अगले साल फरवरी में रिलीज होगी। तारीख चुनी गई है 14 यानी वैलेंटाइन डे। फिल्म नखरेवाली के पोस्टर पर न्यूकमर अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव किस करते नजर आ रहे हैं। अंश का अतरंगी अंदाज देखने को मिल रहा है। उन्होंने पिंक कलर का लहंगा पहना हुआ है और शर्टलेस नजर आ रहे हैं। वहीं, प्रगति ब्लू कलर के सूट में दिखाई दे रही हैं। पोस्टर में कुछ लोग भी नजर आ रहे हैं। बता दें, ये दोनों नए चेहरे है, जो पहली बार आनंद एल राय की मूवी में नजर आने वाले हैं। दोनों ही स्टार्स अपनी एक्टिंग को लेकर काफी एक्साइटेड दिखाई दे रहे हैं। इस फिल्म की कहानी भी आनंद की पिछली फिल्मों की तरह हिंदी पट्टी में स्थापित की गई है। बता दें कि मराठी फ्रेंचाइजी झिम्मा 2 की घोषणा के बाद फिल्म नखरेवाली आनंद एल राय के कलर येलो प्रोडक्शंस और जियो स्टूडियोज के बीच दूसरा कॉलोबोरेशन होगा।